केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 32 शुक्रवार 23 अगस्त 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

ऑफिस में महिलाओं की सुरक्षा पर योगी सरकार सख्तः लगेंगे सीसीटीवी कैमरे

लखनऊ (आभा)। कोलकाता रेप कांड के बाद महिलाओं की सुरक्षा को लेकर यूपी सरकार ने सख्ती दिखाई है। इसको लेकर सरकार ने सख्त कदम उठाए हैं। यूपी सरकार ने सरकारी और गैर सरकारी संस्थानों में काम करने वाली महिला कर्मचारियों से संस्थान में तय समय से ज्यादा काम न लिए जाने के आदेश जारी किए हैं।

महिलाओं की सुरक्षा को देखते हुए योगी सरकार ने सभी सरकारी और प्राइवेट संस्थानों में सीसीटीवी लगाने का आदेश जारी किया है। साथ ही अफसरों को भी सख्त निर्देश दिए गए हैं। अपर मुख्य सचिव गृह दीपक कुमार ने मण्डलायुक्तों, पुलिस कमिश्नर, डीएम और एसपी को भेजे पत्र में कहा है कि महिलाओं के साथ यौन उत्पीड़न होने पर सख्त कार्रवाई की जाए। आदेश में कहा गया है कि सरकारी और गैर सरकारी संस्थानों में काम करने वाली महिला कर्मचारियों से संस्थान में तय समय से ज्यादा काम न लिया जाए। साथ ही उनकी सुरक्षा के लिए दफ्तरों में पुख्ता इंतजाम करने की गाइडलाइन भी जारी की है। एसीएस ने अफसरों को भेजे पत्र में कहा है, रात में घर आने वाली महिला कर्मचारियों को इमरजेंसी पड़ने पर पुलिस वाहन (पीआरवी) से घर पहुंचाने की व्यवस्था की जाए।

अपर मुख्य सचिव गृह दीपक कुमार ने कहा कि मिशन शक्ति के तहत महिलाओं की सुरक्षा व सम्मान के लिये अभियान पहले से चल रहा है। इसी कड़ी में अफसरों से कहा गया है कि रात में आने–जाने वाले रास्तों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम हो। महिला हेल्पलाइन 112, 1090 का प्रसार हो। सुरक्षा के अन्य इंतजाम जरूर किए जाएं। महिलाओं को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण देने की व्यवस्था की जाये।

अपर मुख्य सचिव ने कहा कि कई प्रदेशों में महिलाओं के स्वास्थ्य का ध्यान रखा जाता है। ऐसी व्यवस्था यहां भी होनी चाहिये। पत्र के जरिये यह भी बताया गया कि किस किस तरह की हरकत यौन उत्पीड़न में आती है। अस्पतालों में काम करने वाली महिलाओं के साथ हिंसा पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

हुई बरसातः गर्मी से राहत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रिमझिम बरसात से जिले में मौसम सुहाना हो गया है। भोर से ही रुक–रुक कर बारिश हो रही है। इससे तापमान गिर गया है और उमस भरी गर्मी से निजात मिली है। गुरुवार सुबह से ही शहरी क्षेत्र में बारिश का सिलसिला जारी रहा। बारिश के कारण लोगों को आने–जाने में परेशानी हुई। वहीं लो–लैंड इलाके में जलभराव देखा गया। इसके अलावा कच्ची सड़कों पर कीचड़ होने से लोगों को आवागमन में समस्या हुई। आवास विकास, बभनगांवा, बेलवाडाड़ी आदि क्षेत्रों में समस्या है। वहीं बारिश से धान फसल को काफी फायदा हुआ है। गन्ना किसान भी खुश हैं। खेती–किसानी में जुट गए हैं। कप्तानगंज क्षेत्र में जलभराव से सांसत हुई। यहां नालियां चोक हो गई हैं।

सुबह से बारिश शुरू होने पर स्कूली बच्चों को स्कूल पहुंचने में समस्या हुई। भीगते हुए बच्चे विद्यालय पहुंचे। वहीं अन्य सरकारी कर्मियों को भी कार्यालय पहुंचने में समस्या हुई।

सुप्रीम कोर्ट के आश्वासन के बाद एम्स रेजिडेंट डॉक्टरों की हड़ताल खत्म

नई दिल्ली (आभा)। सुप्रीम कोर्ट से मिले आश्वासन के बाद गुरुवार को दिल्ली के एम्स, राम मनोहर लोहिया अस्पताल, लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज तथा दिल्ली सरकार के इंदिरा गांधी अस्पताल के रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन ने अपनी हड़ताल खत्म करने की घोषणा की। इन सभी अस्पतालों के डॉक्टर्स कोलकाता में महिला डॉक्टर के साथ हुई रेप व मर्डर की वारदात के विरोध में पिछले 11 दिनों से हड़ताल पर थे। इससे पहले दिन में सुप्रीम कोर्ट ने प्रदर्शनकारी डॉक्टरों से काम शुरू करने को कहा था और उन्हें आश्वासन दिया था कि काम पर लौटने के बाद उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी, साथ ही कोर्ट ने सरकारों को उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने का निर्देश भी दिया था।

इन अस्पतालों के अलावा 'फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया मेडिकल एसोसिएशन' (फेमा) ने भी गुरुवार को अपनी हड़ताल खत्म कर दी। सुप्रीम कोर्ट से मिले सकारात्मक निर्देशों के बाद अन्य रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन द्वारा अपनी हड़ताल समाप्त करने के बाद फेमा ने यह कदम उठाया।

हड़ताल खत्म करने के बारे में एम्स रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन ने 'एक्स' पर एक प्रेस नोट जारी करते हुए जानकारी दी। उन्होंने लिखा, 'राष्ट्र हित में और जन सेवा की भावना से (रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन) एम्स, नई दिल्ली ने 11 दिवसीय हड़ताल वापस लेने का फैसला किया है।

प्रेस नोट के मुताबिक यह फैसला सुप्रीम कोर्ट की अपील और आश्वासन को देखते हुए लिया है। हम आरजी कर मेडिकल कॉलेज की घटना का संज्ञान लेने और देश भर में स्वास्थ्य कर्मियों की सुरक्षा के व्यापक मुद्दे पर हस्तक्षेप करने के लिए सुप्रीम कोर्ट की हार्दिक सराहना करते हैं और उसके निर्देशों का पालन करने का आह्वान करते हैं। मरीजों की देखभाल करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता बनी हुई है।'

डॉक्टर्स के शीर्ष संगठन फेमा ने 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए लिखा, 'फेमा ने प्रधान न्यायाधीश के सकारात्मक निर्देशों के बाद हड़ताल खत्म करने का फैसला किया है। हम अंतरिम सुरक्षा और अस्पतालों में सुरक्षा बढ़ाने के लिए आवश्यक कदम उठाने की हमारी प्रार्थनाओं को स्वीकार किए जाने का स्वागत करते हैं। एकजुट होकर, हम कानूनी रूप से लड़ाई जारी रखेंगे।'

उधर राममनोहर लोहिया अस्पताल की 'रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन' ने एक बयान में कहा कि सर्वोच्च न्यायालय के दखल और उनकी मांगों के समाधान की दिशा में हुई प्रगति के मद्देनजर वे शुक्रवार सुबह आठ बजे से काम पर लौटेंगे।

कलेक्ट्रेट कर्मचारी संघ ने धरना देकर सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। गुरूवार को उत्तर प्रदेश मिनिस्ट्रीयल कलेक्ट्रेट कर्मचारी संघ प्रदेश नेतृत्व के आवाहन पर 22 सूत्रीय मांगों के समर्थन में सामूहिक अवकाश लेकर धरना ,प्रदर्शन किया गया। इसके बाद जिला अध्यक्ष अशोक कुमार मिश्र और मंत्री फैजान अहमद के नेतृत्व में मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन सौपा गया।

धरने में मुख्य रूप से काजी अनवार, जितेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, राजेश रंजन, आशीष कुमार, सुमित श्रीवास्तव, सुरजीत कुमार, संतोष सिंह, रंगीलाल, धन्नजय सिंह, दीपक शुक्ला, ओम प्रकाश मिश्र, रेनू श्रीवास्तव, ऊषा चौधरी, साजमा सीमा सिंह, पुनीत पाण्डेय, प्रेम प्रकाश, शिवांस मिश्रा, कुदरत अली, राजेश सिंह, संजीव वरूण, देवव्रत श्रीवास्तव, विष्णु कुशवाहा, राजेश मौर्य, सुनील साह आदि कर्मचारी शामिल रहे।

सपा युवा संगठनों ने शिविर लगाकर बनाये 135 सदस्य

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । प्रदेश नेतृत्व के आवाहन पर गुरूवार को लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय सचिव प्रवीण पाठक के संयोजन में हरैया विधानसभा क्षेत्र के विक्रमजोत चौराहे पर सदस्यता अभियान चलाया गया। कुल 135 से अधिक लोगों ने सदस्यता लिया।

समाजवादी पार्टी युवजन सभा जिलाध्यक्ष विपिन त्रिपाठी, छात्र सभा जिलाध्यक्ष अजय यादव, लोहिया वाहिनी जिलाध्यक्ष रहमान सिद्दीकी, मुलायम सिंह यूथ विग्रेड के अध्यक्ष अखिलेश यादव, आदि ने योगदान दिया। सपा के फ्रन्टल संगठनों का चरणबद्ध ढंग से कार्यक्रम 31 अगस्त तक विभिन्न कार्यक्रमों के साथ जारी रहेगा।

कार्यक्रम में प्रभारी डी. आर.एस. यादव, राहुल सिंह, विजय बहादुर वर्मा, प्रेमचन्द्र सोनी के साथ ही सपा विधानसभाध्यक्ष अरविन्द यादव आदि ने सदस्यता अभियान में सहयोग किया। वक्ताओं ने कहा कि फ्रन्टल संगठनों के पदाधिकारी सपा के नीति और कार्यक्रमों से लोगों को जोड़ रहे हैं। कहा कि समाज में राजनीतिक, सामाजिक परिवर्तन का दायित्व युवाओं के कंधे पर है। प्रदेश नेतृत्व द्वारा संगोष्ठी, पीडीए पौधरोपण के साथ ही जो कार्यक्रम दिये गये हैं उसे पूरी तन्मयता से पूरा किया जा रहा है। युवा छात्र संघ बहाली के लिये रचनात्मक आन्दोलन के साथ ही पेपर लीक, मंहगी होती शिक्षा आदि के सवालों को लेकर संघर्ष तेज करेंगे।

सदस्यता अभियान में अखिलेश दूबे, मोहित विश्वकर्मा, वैभव शुक्ल, बच्चाराम यादव, उेश कन्नौजिया, श्रवण चौहान, राकेश निषाद, आदित्य विकम सिंह, अभिषेक पाल, मुरीलधर मौर्य, अभिषेक शर्मा, मनीष यादव, पंकज कसौधन, पिकूं शुक्ल फ्रन्टल संगठनों के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

गर्भवती की बच्चेदानी निकाल देने का आरोपः जांच, कार्यवाही में हीला हवाली

–फातिमा हास्पिटल की जांच पर चुप्पी क्यों ..?

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कटरा–पतेलवा स्थित फातिमा हॉस्पिटल एवं मैटरनिटी सेंटर में गर्भवती की बच्चेदानी निकाल देने के लगे आरोप के मामले में जांच टीम में शामिल अफसरों का ढुलमुल रवैया जारी है। जांच के लिए निकली टीम बीच रास्ते से लौट गई। इससे कई सवाल उठने लगे हैं। अस्पताल के जांच के लिए सीएमओ डॉ. आरएस दुबे ने जांच टीम गठित की थी। सीएमओ ने तीन दिनों के भीतर टीम में शामिल चिकित्सकों से रिपोर्ट मांगी है, लेकिन जांच टीम में शामिल अफसर अस्पताल में जाने से कतरा रहे हैं। बता दें कि गनेशपुर के मेवालाल ने सीएमओ को पत्र देकर आरोप लगाए थे कि पत्नी रीता को प्रसव पीड़ा होने पर आशा के साथ महिला अस्पताल ले गए। वहां चिकित्सक ने अल्ट्रासाउंड के लिए बोला। कटेश्वर पार्क के सामने एक सेंटर पर अल्ट्रासाउंड कराने पर पता चला कि पेट में बच्चा मर चुका है। आशा कार्यकर्ता की सलाह पर वह पत्नी को कटरा–पतेलवा फातिमा हॉस्पिटल एवं मैटरनिटी सेंटर ले गए थे। आरोप है कि वहां डॉक्टर ने ऑपरेशन कर बच्चे को बाहर तो निकाला, लेकिन नाकामी छुपाते हुए मरीज की बच्चेदानी ही निकाल दिए। वहीं सीएमओ ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए शिकायत के बाद डिप्टी सीएमओ डॉ. रणजीत सिंह, जनरल सर्जन डॉ. सुनील तिवारी और स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रीति त्रिपाठी की टीम गठित करते हुए जांच के आदेश दिए हैं। लेकिन, टीम में शामिल कोई भी डॉक्टर अस्पताल में जांच के लिए नहीं पहुंचे।

स्वास्थ्य विभाग के कारनामे भी अजब–गजब के हैं। सीएमओ की ओर से गठित टीम जांच करने में हीलाहवाली कर रही है। मंगलवार को डिप्टी सीएमओ डॉ. रणजीत सिंह मय टीम जांच के लिए निकले, लेकिन रास्ते से ही लौट गए। इसको लेकर तमाम सवाल उठ रहे, कि आखिर बीच रास्ते में किसका फोन आया और वह बिना जांच किए लौट गए।

प्रमुख सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य के सख्ती के बाद सीएमओ डॉ. आरएस दुबे ने फातिमा हॉस्पिटल की जांच के लिए डिप्टी सीएमओ डॉ. एके चौधरी को मौके पर भेजा। बताया जाता है कि डिप्टी सीएमओ ने जांच के लिए कई अभिलेख लिए हैं। लेकिन जांच टीम में शामिल तीनों चिकित्सक आखिर क्यों नहीं जांच किए। बताया जाता है कि डिप्टी सीएमओ ही अब रिपोर्ट करेंगे। सीएमओ डॉ. आरएस दुबे ने बताया कि जांच टीम में शामिल गायनी डॉक्टर की इमरजेंसी ड्यूटी लगने के कारण जांच नहीं हो पाई। टीम पुनः जांच के लिए जाएगी।

जम्मू–कश्मीर में कांग्रेस और एनसी में गठबंधनः सीटों का बंटवारा बाद में

श्रीनगर (आभा)। कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस जम्मू–कश्मीर विधानसभा चुनाव मिलकर लड़ेंगे। गुरुवार, 22 अगस्त को राहुल गांधी से मुलाकात के बाद नेशनल कॉन्फ्रेंस के मुखिया फारूक अब्दुल्ला ने इसका ऐलान किया।

उन्होंने कहा, राज्य की सभी 90 सीटों पर दोनों दल एक साथ चुनाव लड़ेंगे। सीटों को गुरूवार रात तक फाइनल कर लिया जाएगा। हमें उम्मीद है कि हम फिर से सत्ता में आएंगे। हमारे दरवाजे सभी के लिए खुले हैं।

इससे पहले कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने श्रीनगर में पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा कि जम्मू–कश्मीर का प्रतिनिधित्व करना और इसे वापस राज्य का दर्जा दिलाना सबसे जरूरी है। यहां से मेरा खून का रिश्ता है। ऐसे में उम्मीद है कि चुनाव में लोग हमारा साथ जरूर देंगे।

राहुल गांधी ने कार्यकर्ताओं से कहा कि लोकसभा चुनाव में हमने पीएम मोदी का कॉन्फिडेंस तोड़ दिया है। अब उनकी छाती 56 इंच की नहीं रही। वे कंधे झुकाकर चलते हैं। जम्मू–कश्मीर चुनाव में गठबंधन तभी होगा जब कांग्रेस के सभी कार्यकर्ताओं को इज्जत मिलेगी।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि अगर हम जम्मू–कश्मीर चुनाव जीतेंगे तो सारा हिंदुस्तान हमारे कब्जे में आएगा। राहुल और खड़गे दो दिन के जम्मू–कश्मीर दौरे पर हैं। दोनों नेता 21 अगस्त की शाम श्रीनगर पहुंचे। दूसरे दिन दोनों नेता कार्यकर्ताओं से मिले। कहा हिंदुस्तान के इतिहास में पहली बार हुआ है कि किसी राज्य का दर्जा छीनकर उसे केंद्र शासित प्रदेश बनाया गया है। हमारे लिए जरूरी है कि इसे इसका पुराना दर्जा वापस मिले। इसलिए हम सब मिलकर यहां पहले आए हैं।

मैं पूरे देश में लोकतंत्र की रक्षा करता हूं, लेकिन मेरा लक्ष्य है कि देश के लोगों के दिल में जो यहां के लोगों के लिए डर है, मैं उसे मिटाना चाहता हूं। जो आप लोग सहते हैं। मैं, खड़गे और कांग्रेस इसे मिटाना चाहते हैं।

बेटियों पर हो रहे जुल्म, बलात्कार, हत्या के खिलाफ निकाला कैन्डिल मार्च

–बेटियों की सुरक्षा के लिये कड़े कदम उठाये सरकार–सैय्यद दानिश

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। देश में लगातार बढ रही बलात्कार, हत्या की घटनाओं से रोष का माहौल है। गुरूवार को शिक्षक मोहम्मद नदीम खान के नेतृत्व में कोलकाता में रेजिडेंट डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या सहित अन्य घटनाओं के विरोध में रामपुर पेट्रोल पंप से मेडिकल कालेज गेट तक कैन्डिल मार्च निकालकर विरोध प्रदर्शन किया गया।

बसपा नेता एवं लोकसभा 62 संतकबीर नगर से बसपा प्रत्याशी रहे सैय्यद दानिश भी कैन्डिल मार्च में शामिल हुये। कहा कि कोलकाता में रेजिडेंट डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या के अलावा अन्य राज्यों से भी ऐसे मामले लगातार सामने आ रहे हैं जो चिन्ताजनक है। केन्द्र और राज्य सरकारों को इस दिशा में तत्काल प्रभावी कदम उठाने की जरूरत है जिससे बेटियां सुरक्षित रहे।

शिक्षक मोहम्मद नदीम खान ने कहा कि कोलकाता बलात्कार और हत्या के कुछ दिनों के अंदर ही उत्तराखंड, बिहार और उत्तर प्रदेश से यौन हिंसा के कई संगीन मामले सामने आए हैं। इससे साफ जाहिर होता है कि देश भर में महिलाओं और युवा लड़कियों के खिलाफ हिंसा जारी है। यह चिंता का कारण है कि निर्वाचित प्रतिनिधि, सरकारी अधिकारी और कुछ राजनीतिक दल ऐसे मामले में न्याय दिलाने की बजाय सरकारी तंत्र की विफलता पर पर्दा डालने की कोशिश कर रहे है, जबकि कुछ पीड़िता को न्याय दिलाने की बजाय राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश में जुटे हैं। ऐसे अपराधों की रोकथाम के बारे में चिंतित होने के बजाय, राज्य और केंद्र सरकार बयानबाजी में उलझ रही है जो दुर्भाग्यपूर्ण है। अच्छा हो कि यौन हिंसा और हत्या के मामलों में केन्द्र और राज्य की सरकारें नियंत्रण की दिशा में कदम उठाये और दोषियों को कड़ा दण्ड दिलाया जाय।

कैन्डिल मार्च में मुख्य रूप से बदरे आलम,मो.मारूफ ,संजय यादव, शाह आलम, मोहम्मद नौशाद, मो. आरिफ, शकील छितही, ऐहसानुल्लाह कैफ, सलमान शाह, राज यादव, संजय यादव उर्फ चट्टान सिंह यादव आदि शामिल रहे।

फायरमैन के उत्पात से स्कूल में शिक्षिकाओं व बच्चों की हिफाजत करेंगे सिक्योरिटी गार्ड

–गाली गलौज , मारपीट से परेशान एसपी के पास फरियाद लेकर पहुंची थी प्रधानाध्यापिका

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

महराजगंज। आगरा से स्थानांतरित होकर आया एक फायरमैन पास के एक परिषदीय विद्यालय में शिक्षिकाओं के लिए परेशानी का पर्याय बन गया है। विद्यालय परिसर में बेवजह घुसने से मना करने पर वह प्रधानाध्यापिका से गाली गलौज करते हुए मारपीट पर आमादा हो गया। स्थिति इस कदर बिगड़ी कि प्रधानाध्यापिका की शिकायत पर फौरी कार्रवाई के लिए पुलिस अधीक्षक को स्कूल में दो सुरक्षा कर्मियों को तैनात करने का फरमान जारी करना पड़ा। गुरुवार से दोनों सुरक्षा कर्मी स्कूल टाइम में विद्यालय की रखवाली शुरू कर दिए हैं। उत्पात पर फायरमैन से विद्यालय की हिफाजत कर रहे हैं।

मामला नगर के एक सरकारी कंपोजिट विद्यालय का है। स्कूल में बच्चों को पढ़ाने की तमन्ना लेकर फायरमैन विद्यालय में पहुंचा। कुछ दिन बाद उसका रवैया बदल गया। स्कूल में परेशानी का सबब बनने के बाद प्रधानाध्यापिका ने फायरमैन को बिना अनुमति कैंपस में घुसने पर पाबंदी लगा दी। यह देख फायरमैन तिलमिला गया। प्रधानाध्यापिका एसपी को प्रार्थना पत्र देकर बताई कि वह गंभीर रोग से पीड़ित है। बीते पंद्रह अगस्त को फायरमैन बिना इजाजत उनके कार्यालय में घुस आया। उस समय वह अकेली थी। आरोप है की फायरमैन गाली गलौज करते हुए मारपीट किया। फायरमैन के उत्पात व दुर्व्यवहार से शिक्षण कार्य प्रभावित हो रहा है। वह अपने को असुरक्षित महसूस कर रही है। फायरमैन जान से मारने की धमकी भी दे रहा है। प्रधानाध्यापिका के मुताबिक वह फायरमैन के खिलाफ अग्निशमन विभाग के अधिकारी को पत्र देकर शिकायत की, लेकिन वह फायरमैन के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं करने के लिए दबाव बनाकर पेपर पर हस्ताक्षर बनवा लिए हैं।

प्रधानाध्यापिका पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर आरोपित फायरमैन के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई व सुरक्षा की मांग की। एसपी सोमेंद्र मीना ने प्रधानाध्यापिका को प्रभावी कार्रवाई का आश्वासन दिया। प्रधानाध्यापिका के मुताबिक एसपी को प्रार्थना पत्र देकर आने के बाद पुलिस विभाग से फोन आया कि गुरुवार से स्कूल टाइम में विद्यालय की सुरक्षा में दो पुलिस कर्मी तैनात रहेंगे। इस दौरान कोई स्कूल में घुसकर परेशान करेगा तो उसके खिलाफ विधिक कार्रवाई होगी। गुरुवार की सुबह स्कूल में दो पुलिस कर्मी तैनात दिखे। प्रधानाध्यापिका ने विद्यालय की फायरमैन से सुरक्षा के लिए पुलिस विभाग का धन्यवाद दिया है।

भाजपा नेता चन्द्रमणि पाण्डेय सुदामा ने डीएम को सौंपा पत्रः कार्यवाही न हुई तो फिर देंगे धरना

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। गुरूवार को समाजसेवी चन्द्रमणि पाण्डेय 'सुदामा' ने जनहित में पांच सूत्रीय मांगों को लेकर पुनः जिलाधिकारी को अनुस्मारक पत्र देकर शीघ्र समस्या समाधान कराने की मांग किया। कहा कि बार बार प्रार्थना पत्र देने के बाद भी डीएम सहित जनपद के उच्चाधिकारियों द्वारा गम्भीरता पूर्वक समस्या समाधान नहीं कराया जा रहा है।

भाजपा नेता चन्द्रमणि पाण्डेय सुदामा ने प्रेस को जारी विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि गत 12 अगस्त को मांगों के समर्थन में वे धरने पर बैठे थे। उस समय डीएम ने वार्ता के क्रम में एक सप्ताह में समस्या समाधान की मांग का आश्वासन दिया गया था किन्तु आज तक कार्यवाही तो दूर अभी तक कृत कार्यवाही से भी अवगत नहीं कराया गया जो कि दुर्भाग्यपूर्ण है । बताया कि ऐसे में यदि शीघ्र समस्या समाधान सुनिश्चित नहीं हुआ तो वे पुनः 2 सितम्बर सोमवार से बेमियादी धरने पर बैठने को बाध्य होंगे।

श्री पाण्डेय ने पत्रकारों से बातचीत में बताया कि वे लगातार हरैया 100 शैय्या अस्पताल में मनमाने ढंग से हुए आउटसोर्सिंग भर्ती व अन्य अनियमितता की जांच, क्षेत्र के 84 कोसी परिक्रमा मार्ग अन्तर्गत आने वाले गांवों के सर्किल रेट के अनियमितता में सुधार, हरैया के बड़हर पेट्रोल पंप के बगल से जाने वाले महूघाट विशेषरगंज मार्ग पर मानक विरुद्ध भारी वाहनों के आवागमन से सड़क को बदहाल होने से बचाने व सुरक्षित यातायात हेतु हाईट वैरियर लगाने, तीन वर्षों से एक ही विकास खण्ड में तैनात खण्ड शिक्षा अधिकारी हरैया बड़कऊ वर्मा द्वारा कर्मचारी सेवा नियमावली के विपरीत आचरण, शिक्षकों संग भेदभाव 2022–23 में डीए वितरण में अनियमितता हेतु कार्यवाही करते हुए बर्खास्त करने या अन्यत्र जिले में स्थानान्तरण की मांग कर रहे हैं। उक्त मांगों पर विभिन्न कार्यालयों सहित जिलाधिकारी कार्यालय से भी प्रार्थना पत्र की रिसीविंग या प्रार्थना पत्र पर हुई कार्यवाही से अवगत नहीं कराया गया। न जाने किन परिस्थितियों के चलते जनहित में न्यायिक समस्याओं के समाधान में अधिकारी हीलाहवाली कर रहे हैं कहीं न कहीं अधिकारियों की ऐसी ही कार्यपद्धति से आम जनता में भाजपा सरकार की छवि धूमिल हो रही है । पार्टी को भी अधिकारियों की इस गतिविधि के विरुद्ध अभियान छेड़ना चाहिए व शिकायत शीर्ष नेतृत्व से करनी चाहिए । डीएम को पत्र देने के दौरान चन्द्रमणि पाण्डेय सुदामा के साथ विनोद पाठक,विमलेंद्र सिंह, राजीव पाण्डेय,बाल केशर दूबे मौजूद रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 23 अगस्त 2024 शुक्रवार

सम्पादकीय

यूपी में उप चुनाव और विपक्ष

मोदी सरकार ने उच्च पदों पर नौकरियों में सीधी भर्ती (लेटरल एंट्री) का अपना एक फैसला क्या वापस लिया, विपक्ष ने इसे मोदी को घेरने का हथियार बना लिया। पूरा विपक्ष अपनी पीठ ठोंक रहा है। पीठ ठोंकने वालों में यूपी के नेता मायावती और अखिलेश यादव सबसे आगे नजर आ रहे हैं। बसपा सुप्रीमो मायावती और सपा प्रमुख अखिलेश यादव को तो लगता है कि इससे यूपी की राजनीति की धुरी ही बदल जायेगी। बसपा प्रमुख मायावती की प्रतिक्रिया आई थी कि उनके तीव्र विरोध के बाद सरकार ने सीधी भर्ती वाला निर्णय वापस लिया है। वहीं, सपा प्रमुख अखिलेश यादव दावा कर रहे हैं कि पिछले दरवाजे से आरक्षण को नकारते हुए नियुक्तियों की साजिश आखिरकार पीडीए की एकता के आगे झुक गई। मतलब यह है कि फैसला केंद्र ने वापस लिया लेकिन अखिलेश और मायावती खुद इसका क्रेडिट ले रहे हैं। वैसे सियासत इसी को कहा जाता है।

वैसे यह पहली बार नहीं हुआ है कि परस्पर विरोधी बसपा और सपा नेताओं के सुर एक जैसे सुनाई पड़ रहे हों, इसी तरह के सुर आरक्षण में वर्गीकरण के मुद्दे पर भी देखने को मिले थे,ज बसपा ने बंद का समर्थन किया तो अखिलेश ने भी तुरंत इसके समर्थन में पोस्ट लिख कर अपना पक्ष रख दियस। बात यहीं तक सीमित नहीं है, आरक्षण से जुड़े हर मुद्दे पर मायावती और अखिलेश लगातार आक्रामक दिख रहे हैं। आखिर क्या वजह है कि आरक्षण के मुद्दे पर दोनों के सुर एक हैं? या दोनों के बीच एक रेस लगी हुई है कि दलितों और पिछड़ों का ज्यादा हितैषी कौन है? आखिर इस मुद्दे के जरिए मायावती और अखिलेश कौन–सी राजनीति साध रहे हैं?

इस तमाम सवालों का जवाब समझने के लिए पिछले लोकसभा चुनाव से पहले की स्थितियों और नतीजों पर गौर करना जरूरी है। यूं तो संविधान और आरक्षण बसपा का कोर मुद्दा रहे हैं लेकिन पिछले लोकसभा चुनाव से पहले सपा ने कांग्रेस के साथ गठबंधन करके पीडीए (पिछड़ा–दलित–अल्पसंख्यक) का जो नारा और इंडिया गठबंधन में शामिल होकर संविधान की रक्षा का मुद्दा भी जोर–शोर से उठाया था,उसका फायदा जब इंडिया गठबंधन को मिला तो बसपा सुप्रीमों को अपना राजनैतिक भविष्य अंधकार में नजर आने लगा। इससे पहले मायावती को भी यह उम्मीद नहीं थी कि सपा का यह दांव इतना अधिक कारगर होगा। नतीजे आए तो सपा ने यूपी में अकेले 37 सीटें जीत लीं। साथ में कांग्रेस को भी छह सीटों पर जीत हासिल हुई और बसपा का सफाया हो गया। वोट प्रतिशत भी खिसक कर मात्र करीब साढ़े नौ प्रतिशत पर आ गया। इससे साफ हो गया कि सपा के द्वारा बसपा के दलित वोट बैंक में बड़ी सेंधमारी कर ली गई है। तब से मायावती की एक ही कोशिश है कि किसी तरह अपना दलित वोट बैंक वापस लाया जाए। इसके लिए मायावती लगातार दलित हितों से जुड़े मुद्दे उठा रही हैं। इस बीच सुप्रीम कोर्ट ने एससी–एसटी आरक्षण में वर्गीकरण पर अपना मत दिया,तो मायावती की उम्मीद को पंख लग गये। मायावती ने तुरंत इस मुद्दे को लपक लिए। सबसे पहले उनकी प्रतिक्रिया आई। इसे पूरी तरह गलत ठहराते हुए उन्होंने भाजपा के साथ ही सपा–कांग्रेस सहित अन्य पार्टियों को भी घेरना शुरू कर दिया। वह संसद में संविधान संशोधन लाने की मांग पर अड़ गईं। इस मुद्दे पर उन्होंने दो बार प्रेस कॉन्फ्रेंस की और सोशल मीडिया के जरिए कई बयान दिए। शुरुआत में कांग्रेस ने इस पर सधी प्रतिक्रिया दी, लेकिन मायावती के आक्रामक रुख को देखते हुए सपा ने भी खुलकर मोर्चा खोल लिया। इसी बीच 69,000 शिक्षक भर्ती का मामला भी उठा,जिस पर सपा और बसपा दोनों ही आक्रामक दिखे। अखिलेश यादव को लगा कि अब यदि चुप रहे तो पिछले लोकसभा चुनाव में जो दलित वर्ग उनके साथ जुड़ा है, कहीं वापस बसपा में न चला जाए। उन्होंने सीधी भर्ती के मामले में 2 अक्टूबर को आंदोलन का ऐलान भी कर दिया। मायावती भी अपने बयानों के जरिए इस मुद्दे पर आक्रामक रूख बनाये हुए हैं। लब्बोलुआब यह है कि सपा और बसपा नेता लगातार यह संदेश देने की कोशिश कर रहे हैं कि दलितों के असली हितैषी वही हैं। बसपा ने लोकसभा चुनाव के बाद कमिटियों का नए सिरे से गठन किया है। उनमें भी साफ झलक देखने को मिली कि दलितों को ज्यादा तवज्जो दी जा रही है। वहीं, अखिलेश यादव भी लोकसभा चुनाव के बाद फैजाबाद के सांसद अवधेश प्रसाद को आगे बढ़ा रहे हैं। संसद से लेकर सार्वजनिक मंचों तक वह अवधेश प्रसाद के साथ नजर आते हैं। संसद में भी अवधेश प्रसाद को लोकसभा में अधिष्ठाता मंडल का सदस्य बनवाया गया। मायावती की तरह मंचों से आंबेडकर और कांशीराम का नाम अक्सर लेते हैं।दरअसल, अभी यूपी में विधान सभा उपचुनाव होने हैं।

सोच बदलने से रूकेगी यौन हिंसा

—विश्वनाथ सचदेव—

कोलकाता के एक अस्पताल में हुए जघन्य कांड की गुत्थी अभी सुलझी नहीं है। पश्चिम बंगाल की पुलिस को अक्षम ठहराकर मामला सीबीआई को सौंप दिया गया है। उच्चतम न्यायालय ने भी मामले की गंभीरता को देखते हुए स्वतरू संज्ञान लिया है। उधर देशभर के डॉक्टरों का विरोध–प्रदर्शन जारी है। वे सुरक्षा की गारंटी मांग रहे हैं। इस मांग के औचित्य पर किसी को संदेह नहीं होना चाहिए, लेकिन जिस तरह सारे मामले को राजनीति का हथियार बनाया जा रहा है उसे देखते हुए न्याय की मांग करने वालों के इरादे पर संदेह व्यक्त किया जा रहा है।

निस्संदेह मामला बहुत गंभीर है और बलात्कार का यह मुद्दा कानून–व्यवस्था के लिए जिम्मेदार एजेंसियों की अक्षमता को भी उजागर करने वाला है। उम्मीद ही की जा सकती है कि अपराधी शीघ्र ही पकड़े जाएंगे और मरीजों को अस्पतालों में समुचित चिकित्सा मिलेगी, डॉक्टर को बिना डरे अपना काम करने का माहौल मिलेगा। मरीजों और डॉक्टरों के प्रति हमारी व्यवस्था को कम से कम इतना तो करना ही चाहिए।

इस मामले में न्याय मांगने वाले अपराधी या अपराधियों को कड़े से कड़ा दंड, फांसी, दिये जाने की मांग कर रहे हैं। निश्चित रूप से अपराधी को ऐसा दंड मिलना ही चाहिए जो शेष समाज को यह चेतावनी देने वाला हो कि किसी भी सभ्य समाज में ऐसी नृशंसता को स्वीकार नहीं किया जा सकता। लेकिन यहां इस बात को भी स्वीकार किया जाना चाहिए कि कड़ी से कड़ी सजा का एक परिणाम यह भी निकल रहा है कि अपराधी सबूत को मिटाने के चक्कर में बलात्कार के बाद हत्या का मार्ग अपना रहे हैं।

दिल्ली की 'निर्भया' से लेकर कोलकाता की 'निर्भया' तक की यह शृंखला यही बता रही है कि मनुष्यता के खिलाफ किए जाने वाले इस अपराध बलात्कार के दोषी सिर्फ कड़े कानूनों से नहीं डर रहे हैं। जिस दिन कोलकाता के एक अस्पताल में यह जघन्य कांड हुआ, उसके बाद उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड जैसे देश के अन्य हिस्सों में भी बलात्कार–हत्या की घटनाएं सामने आने लगीं। यह स्थिति निश्चित रूप से भयावह है। स्पष्ट दिख रहा है कि अपराधियों को कानून–व्यवस्था का डर नहीं रहा, कहीं न कहीं उन्हें लग रहा है कि कानून उनकी मनमानी को रोकने में सक्षम नहीं है। स्थिति की गंभीरता और भयावहता को कुछ आंकड़े उजागर कर सकते हैं।

नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो (एनसीआरबी) की गणना के अनुसार हमारे देश में महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों में बलात्कार चौथा सबसे गंभीर अपराध है। प्राप्त आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 2021 में देश में बलात्कार के 31,677 मामले दर्ज हुए थे, अर्थातद्‌ रोज 86 मामले यानी हर घंटे चार। ज्ञातव्य है कि इसके पहले के दो वर्षों में यह संख्या कम थीदृ सनद्‌ 2020 में 28,046 मामले और सन 2019 में 32,033 मामले। यह आंकड़े तो उन अपराधों के हैं, जो थानों में दर्ज हुए। हकीकत यह है कि आज हमारे देश में कम से कम इतने ही मामले थानों में दर्ज नहीं होते! यह मानकर कि अपराधियों को सजा नहीं मिलेगी, पीड़ित पक्ष 'पुलिस के चक्कर' में पड़ते ही नहीं। साथ ही बलात्कार की शिकार महिलाएं और उनके परिवार वाले समाज के 'डर' से भी पुलिस के पास जाने में हिचकिचाते हैं। बलात्कार स्त्री पर किया गया जघन्य अपराध है, लेकिन हमारे यहां बलात्कार की शिकार महिलाओं को ही संदेह और नीची दृष्टि से देखा जाता है! आज मुख्य सवाल इस दृष्टि के बदलने का है। और यह काम सिर्फ कड़े कानून से नहीं होगा। बलात्कार करने वाले को कड़ी से कड़ी सजा मिले, यह सब चाहते हैं, लेकिन यह बात कोई नहीं समझना चाहता कि आवश्यकता उस दृष्टि को बदलने की है जो महिला को एक वस्तु मात्र समझती है। अपराधी यह दृष्टि भी है। सजा इसे भी मिलनी चाहिएदृ इस दृष्टि को बदलने की ईमानदार कोशिश होनी चाहिए।

आज जीवन के हर क्षेत्र में महिलाएं पुरुष के कंधे से कंधा मिलाकर काम कर रही हैं। कई क्षेत्रों में तो पुरुषों से कहीं आगे हैं वे। इसके बावजूद उन्हें कमजोर समझा–कहा जाता है। यह उसी सोच का परिणाम है जो अबला जीवन को 'आंचल में दूध और पलकों में पानी' से आगे नहीं देखना चाहता। इस सोच को बदलने की जरूरत है। नारी को पुरुष के सहारे की नहीं, बराबरी के सहयोग की आवश्यकता है और पुरुष को यह समझना होगा कि वह भी नारी के सहयोग के बिना अधूरा है। जितनी आवश्यकता नारी को पुरुष की है, उतनी ही आवश्यकता पुरुष को भी नारी की है। यह काम कानून को कड़ा बनाने से नहीं, समाज की सोच को बदलने से होगा। हम देख रहे हैं कि इस संदर्भ में कानून को कड़ा बनाना अपराध और अधिक जघन्य बना रहा है, उम्मीद करनी चाहिए कि कानून अपना काम करेगा और समाज की सोच भी बदलेगी। इस दिशा में बहुत कुछ किये जाने की आवश्यकता है।

लेकिन, आज आवश्यकता उस सोच को भी बदलने की है जो हमारे राजनेताओं को हर स्थिति का राजनीतिक लाभ उठाने का लालच देती है। यह सही है कि बलात्कार का यह वीभत्स कांड कोलकाता का है और पश्चिम बंगाल की सरकार का दायित्व है कि वह इस दिशा में ठोस कार्रवाई करे। लेकिन बलात्कार की समस्या किसी एक राज्य तक सीमित नहीं है। कोलकाता में तो बलात्कार के सबसे कम मामले दर्ज होते हैं। इस संदर्भ में राजस्थान का नाम सबसे पहले आता है। इसके बाद मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश का नंबर आता है। ताजा उदाहरण यह भी बताता है कि कोलकाता के इस कांड के दूसरे–तीसरे दिन ही उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश में भी कुछ ऐसी ही घटनाएं घटीं। इस बारे में हमारे राजनीतिक दलों ने जिस तरह का रवैया अपनाया है उसे किसी भी दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता। बंगाल में भाजपा का मुकाबला ममता की तृणमूल–कांग्रेस पार्टी से है इसलिए भाजपा वहां सरकार बदलने की मांग कर रही है। यह गलत प्रवृत्ति है। हर बात को राजनीतिक नफे–नुकसान की दृष्टि से देखकर हम आने वाले कल का विकसित भारत नहीं बना पायेंगे। यह बात हमारे राजनेताओं को समझनी होगी। तभी समाज का स्वास्थ्य सुधरेगा, तभी हमारा भारत विकसित होगा।

बलात्कार के किसी कांड को राजनीति का हथियार बनाना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता। बलात्कार और बलात्कारियों को किसी भी दृष्टि से छूट नहीं दी जा सकती, लेकिन इस बात को भी नहीं भुलाया जाना चाहिए कि ऐसा अपराध करने वाला ही नहीं, ऐसे अपराध को सहने वाला समाज भी दोषी होता है।

—लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

निर्यात और निवेश के समक्ष चुनौतियां

—जयंतीलाल भंडारी—

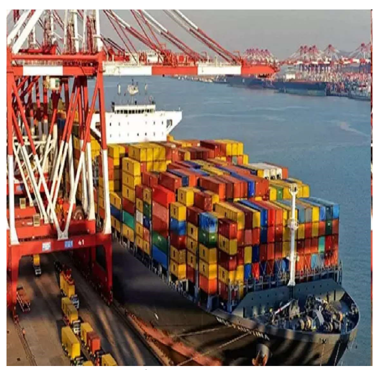

हालिया आंकड़ों के अनुसार भारत से वस्तुओं का निर्यात जुलाई 2024 में सालाना आधार पर 1.2 प्रतिशत घटकर 33.98 अरब डॉलर रहा। पिछले साल इसी महीने में निर्यात का मूल्य 34.39 अरब डॉलर था। जहां इस समय भारतीय निर्यातक बांग्लादेश के सियासी हालात को लेकर चिंतित हैं, वहीं वे चीन को किए जा रहे निर्यात में कमी से भी चिंतित हैं। साथ ही निर्यातकों को विदेशी बाजारों में कमजोर मांग और व्यापार में अन्य बाधाओं से जूझना पड़ रहा है। पिछले दिनों भारतीय निर्यात–आयात बैंक (एग्जिम बैंक) ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि भारत के वस्तु निर्यात में वृद्धि जुलाई से सितंबर 2024 की तिमाही में घटकर 4 फीसदी रह सकती है। कहा गया है कि इस समय वैश्विक परिदृश्य विभिन्न आर्थिक और राजनीतिक अनिश्चितताओं से प्रभावित होने के कारण भारत के निर्यात पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

निस्संदेह, इन दिनों बांग्लादेश के राजनीतिक संकट, भयावह होते रूस–युक्रेन युद्ध, इस्राइल– ईरान संघर्ष और अमेरिका व जापान सहित दुनिया के कई देशों में मंदी की लहर के कारण भारत से निर्यात की रफ्तार और भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की चुनौतियां बढ़ गई हैं। एक अगस्त से सरकार ने चीन सहित सीमावर्ती देशों से भारत में विनिर्माण परियोजनाओं से जुड़े टेक्नीशियनों के लिए नई वीजा व्यवस्था लागू कर दी है। वर्ष 2024–25 के आम बजट में भी इस परिप्रेक्ष्य में कारगर रणनीतियां दिखाई दे रही हैं। साथ ही वाणिज्य विभाग निर्यात प्रोत्साहन की दो महत्वपूर्ण योजनाओं को उनकी समाप्ति तिथि से आगे बढ़ने पर जोर दे रहा है।

उल्लेखनीय है कि राजनीतिक अस्थिरता से भारत–बांग्लादेश व्यापार पर नया संकट खड़ा हो गया है। दक्षिण एशिया में बांग्लादेश भारत का सबसे बड़ा व्यापार साझेदार है तथा बांग्लादेश भारत का 8वां सबसे बड़ा निर्यात बाजार भी है। पिछले वर्ष 2023–24 में भारत ने बांग्लादेश को 11 अरब डॉलर मूल्य का निर्यात किया है।

चालू वित्त वर्ष में अप्रैल से जून, 2024 की पहली तिमाही में जहां निर्यात धीमी रफ्तार से बढ़े हैं, वहीं आयात की रफ्तार अधिक रहने से विदेश व्यापार घाटे में वृद्धि हुई है। इन तीन महीनों में कुल निर्यात 200.33 अरब डॉलर मूल्य के रहे हैं, जिसमें वस्तु निर्यात 109.96 अरब डॉलर और सेवा निर्यात 90.37 अरब डॉलर मूल्य के हैं। जबकि कुल आयात 222.90 अरब डॉलर मूल्य के हैं। जिसमें वस्तु आयात 172.23 अरब डॉलर और सेवा आयात 50.67 अरब डॉलर मूल्य के हैं। चूंकि इस वित्त वर्ष में भारत द्वारा कुल निर्यात का लक्ष्य पिछले वर्ष के कुल 776 अरब डॉलर मूल्य के निर्यात से भी कुछ अधिक 800 अरब डॉलर की रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचाना सुनिश्चित किया गया है।

यह बात भी महत्वपूर्ण है कि वैश्विक सुस्ती व बड़े देशों के बीच युद्ध की तनातनी से देश के एफडीआई परिदृश्य पर भी चुनौतियां बढ़ी हैं। भारत में एफडीआई का प्रवाह 2023–24 में 3.49 प्रतिशत घटकर 44.42 अरब डॉलर रह गया। इसका कारण सेवा, कंप्यूटर हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर, दूरसंचार, ऑटो और फार्मा जैसे क्षेत्रों में निवेश का कम रहना है। 2022–23 के दौरान एफडीआई का प्रवाह 46.03 अरब डॉलर था। पिछले वर्ष कुल एफडीआई जिसमें इक्विटी प्रवाह, पुनर्निवेशित आय और अन्य पूंजी शामिल हैं– एक प्रतिशत घटकर 70.95 अरब डॉलर हो गया, जबकि 2022–23 में यह 71.35 अरब अमेरिकी डॉलर था।

एक, वर्ष 2024–25 के बजट के तहत निर्यात बढ़ाने और एफडीआई आकर्षित करने के लिए सुनिश्चित किए गए अभूतपूर्व बजट आवंटनों का शुरुआत से ही कारगर उपयोग किया जाए। दो, सेवा निर्यात को हरसंभव तरीके से बढ़ाया जाए और सेवा क्षेत्र में एफडीआई आकर्षित की जाए। तीन, निर्यातकों को शुल्क के अलावा आने वाली बाधाओं (नॉन–टैरिफ बैरियर) से राहत दी जाए तथा एफडीआई की प्रक्रिया को और सरल बनाया जाए तथा चार, नए संभावित निर्यात बाजार तलाशे जाएं और एफडीआई के नए वैश्विक निवेशक खोजे जाएं। इसमें कोई दोमत नहीं है कि एक अगस्त से लागू की गई व्यापार वीजा की नई व्यवस्था निर्यात व निवेश बढ़ाने में लाभप्रद होगी।

वर्ष 2024–25 के बजट में वित्तमंत्री ने सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों (एमएसएमई) को निर्यात बढ़ाने के मद्देनजर सशक्त बनाया है। साथ ही इस सेक्टर के आयात में कमी के मद्देनजर प्रावधान किए गए हैं। नए बजट से सरकार ने जरूरी इकोसिस्टम को तैयार कर ठंडे पड़े मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में जान फूंकने और प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेटिव स्कीम को मजबूती देने के प्रावधान किए हैं। नए बजट में मशीनरी की खरीदारी के लिए क्रेडिट गारंटी स्कीम लांच की गई है। इस स्कीम के तहत सेल्फ फाइनेंसिंग गारंटी फंड बनाया जाएगा जिसके तहत 100 करोड़ रुपए तक के लोन की गारंटी होगी। वित्त वर्ष 2024–25 के बजट में कुछ वस्तुओं पर सीमा शुल्क में छूट दी गई है और मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के इस्तेमाल से जुड़े नियम सरल बनाए गए हैं, जो व्यापार नीति के लिहाज से सकारात्मक उपाय हैं।

लेखक अर्थशास्त्री हैं।

सामरिक विवादों से बढ़ती असमानताएं

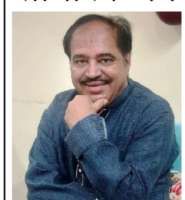

—संजीव ठाकुर—

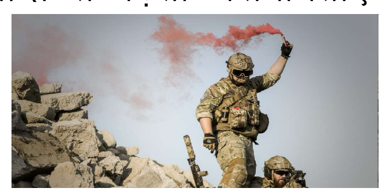

आज पूरा वैश्विक परिदृश्य और पृथ्वी परमाणु युद्ध के ज्वालामुखी पर बैठी हुई है ।युद्धों की परिणति से विश्व में आर्थिक विषमताएं तथा असमानताएं बढ़ती जा रही हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई देश आर्थिक परेशानियों से जूझ रहे हैं इतिहास गवाह है कि युद्ध से कभी किसी का भला नहीं हुआ है यह आने वाली आर्थिक परेशानियों का बड़ा सबब रहा है। रूस–यूक्रेन युद्ध लगातार तीसरे वर्ष में प्रवेश कर चुका है हजारों सैनिकों की आहुति चढ़ चुकी है ।ताजा ताजा यूक्रेन ने 60 ड्रोन से रूस पर सबसे बड़ा हमला कर दिया और रूस के पास अब गोला बारूद की कमी होने लगी है। दूसरी तरफ इसराइल हमास युद्ध में ताजा खबरों के अनुसार लेबनान ने इसराइल पर बडा हमला करके अमेरिका के युद्ध विराम के प्रयासों पर प्रश्न चिन्ह लगा दिया है। युद्ध विराम के तमाम प्रयासों के बावजूद रूस यूक्रेन तथा इसराइल हमास युद्ध रोकने का नाम ही नहीं ले रहे हैं। परमाणु संपन्न देशों के तमाम शासक और हुक्मरान अपनी राजनैतिक आकांक्षाएं, मंसूबे और सनक को पूरा करने के लिए एक दूसरे के रक्त के प्यासे बने हुए हैंस परमाणु संपन्न देशों में चीन ,रूस और नॉर्थ कोरिया ऐसे देश हैं जिनकी बागडोर सनकी तानाशाह प्रशासकों के हाथों में है और ये देश अपनी विस्तार वादी महत्वाकांक्षा और सनक के चलते परमाणु हथियार का इस्तेमाल करने से नहीं चूकेंगेस इतिहास गवाह है की सनकी प्रशासकों से हमेशा मानवता और शांति को युद्ध और हिंसा का खतरा बना रहता आया है। अमेरिका ने द्वितीय विश्व युद्ध में नागासाकी तथा हिरोशिमा में युद्ध की सनक में परमाणु बम से हमला कर लाखों लोगों को मौत के मुंह में भेज दिया था इसके अलावा परमाणु हथियारों के उपयोग से पैदा हुए विकरण से आज भी जापान में बच्चों पर अप्राकृतिक प्रभाव दिखाई देतें हैस इधर हम यदि उत्तर कोरिया के सनकी शासक किम योंग की बात करें तो वर्ष 2022 की शुरुआत के बाद से उत्तर कोरिया ने 100 से अधिक हथियारों के परीक्षण किए हैं विशेष तौर पर कुछ अमेरिकी मुख्य भूमि और उनके खास सामरिक सहयोगी दक्षिण कोरिया और जापान पर हमला करने के लिए डिजाइन की हुई परमाणु मिसाइल भी शामिल हैं। उत्तर कोरिया अमेरिका को लक्ष्य बनाकर क्रूज मिसाइल का प्रक्षेपण भी करता आ रहा है। रूस और यूक्रेन युद्ध के दौरान भारी तबाही का मंजर तो सामने आ ही गया है इसके अलावा यूक्रेन की अमेरिकी तथा नाटो देशों की मदद से नाराज होकर रूस स्पष्ट तौर पर परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की सार्वजनिक धमकी कई बार दे चुका है,उल्लेखनीय है कि रूस यूक्रेन युद्ध में यूक्रेन को जितना जान माल का नुकसान हुआ है उसके बराबर भी रूस में सामरिक हथियारों और सैनिकों की जाने गई हैं।रूस को इस बात का जरा भी अंदाजा नहीं था की यूक्रेन इतने दिन तक युद्ध को खींच सकता है। इन परिस्थितियों के परिणाम स्वरूप और वहां के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन कभी भी अपनी सनक के चलते परमाणु बमों से हमला भी कर सकता है। चीन और ताइवान विवाद में भी चीन के तानाशाह सी जिनपिंग अपनी विस्तारवादी महत्वाकांक्षा को पूरा करने के लिए और अमेरिका के परोक्ष रूप से ताइवान की मदद के कारण नाराजगी के चलते ताइवान पर कभी भी हमला कर सकता है। स्पष्ट है कि रूस चीन और उत्तर कोरिया तीनों परमाणु संपन्न देश अमेरिका के सबसे बड़े और कट्टर दुश्मन नई परिस्थितियों में बन चुके हैं। और यह भी खुला और सर्व विदित तथ्य है अमेरिका का राष्ट्रपति वहां की जनता तथा राजनीतिक पार्टियों के दबाव में विश्व का सुप्रीमो बने रहने के चलते युद्ध मेनिया पर सवार रहता है, विश्व में अमेरिका को सर्वशक्तिमान बनाए रखने के चलते अमेरिका को चीन रूस और उत्तर कोरिया फूटी आंखों नहीं अच्छे लगते हैं। कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी के अनुसार अमेरिका तथा दक्षिण कोरिया की सेना अपने वार्षिक सैन्य अभ्यास की ओर अग्रसर होकर लगातार समुद्र तथा उत्तर कोरिया की सीमा पर चक्कर लगा रही है। उत्तर कोरिया इसे अमेरिका तथा दक्षिण कोरिया के हमले के पूर्वाभ्यास की तरह आंकलन कर रहा है । उधर अमेरिका जापान और दक्षिण कोरिया अपने त्रिपक्षीय शिखर सम्मेलन में उत्तर कोरिया के बढ़ते परमाणु एवं मिसाइलों का मुकाबला करने हेतु संयुक्त रुप से बैलेस्टिक मिसाइल निर्माण तथा प्रयोग के सहयोग के लिए सहमति दे चुके हैं।

इन तीनों देशों की संयुक्त तैयारी को देखते हुए उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग ने रणनीतिक क्रूज मिसाइल के प्रायोगिक परीक्षण का निरीक्षण भी किया है।

अमेरिका तथा पश्चिमी देश हर उस देश का साथ देने को तैयार है जो मूल रूप से चीन, उत्तर कोरिया और रूस का विरोध करते हैं। अमेरिका में चूंकि वर्ष 24 में राष्ट्रपति के चुनाव होने हैं ऐसे में वर्तमान में अमेरिकी राष्ट्रपति जो वाइडन को अपनी दावेदारी प्रस्तुत करने के लिए और चुनाव जीतने के लिए एक बहुत बड़े मुद्दे की तलाश जरूर होगी और इसके चलते वह अपनी राजनीतिक साख को बचाने के लिए किसी भी देश से अपनी बादशाहत बचाने के लिए युद्ध कर सकते हैं और जाहिर है कि उनके किसी भी युद्ध में ब्रिटेन, फ्रांस ,आस्ट्रेलिया, इजरायल आंख मूंदकर साथ देने को तैयार होंगे। इधर भारत की स्वतंत्रता के बाद से ही चीन से परंपरागत दुश्मनी चली आ रही है दूसरी तरफ भारत रूस का अभिन्न मित्र भी है भारत परंपरागत रूप से रूस का समर्थन करते आया है या अलग बात है कि अमेरिका से उसके संबंध पिछले 10 सालों से काफी मधुर हो गए हैं और वह सदैव शांति का पक्षधर रहा है।

ऐसे में नवीन परिस्थितियों में रूस यूक्रेन युद्ध चीन ताइवान विवाद और उत्तर कोरिया की दक्षिण कोरिया के ऊपर अनावश्यक दादागिरी और अमेरिकी तथा नैटो देशों का खुलकर चीन रूस तथा उत्तर कोरिया के लिए विरोध पूरे विश्व में परमाणु हेतु की पूरी–पूरी पृष्ठभूमि तथा प्रस्तावना तैयार कर चुके हैं और यह भी संभावना होगी कि पाकिस्तान तथा खाड़ी के देश भी ऐसी परिस्थितियों में किसी भी संभावित विश्वयुद्ध में शामिल हो सकते हैं और यदि विश्व युद्ध होता है तो यह मानवता तथा पृथ्वी के लिए बड़ा ही विनाशक होगा हम सिर्फ कामना कर सकते हैं की युद्ध नहीं हर तरफ शांति ही शांति हो।

पारिवारिक विवाद में मझले भाई ने बड़े भाई को राड से पीटकर मार डाला

संवाददाता—देवरिया। मलघोट बीरैचा गांव में एक मझले भाई ने अपने भाई की लाठी—डंडे से पीट—पीटकर हत्या कर दी। आरोपी नशे में धुत बताया जा रहा था। मृतक, पथरदेवा विकास खंड के रामपुर शुक्ल गांव में सफाईकर्मी के पद पर तैनात था। घटना बुधवार देर रात की है। पहले घर की महिलाओं के बीच कहासुनी हुई और बात बढ़ गई। हत्या की सूचना पर मौके पर पहुंची ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। उधर, पुलिस टीम ने तीन हमलावरों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। इस मामले में पुलिस दंपति समेत चार लोगों पर गैर इरादतन हत्या समेत गंभीर धाराओं में केस दर्ज कर कार्रवाई में जुट गई है। थाना क्षेत्र के मलघोट बीरैचा गांव के रहने वाले बाबूलाल बांसफोड़ के तीन लड़के रमायन बांसफोड़, गंभू बांसफोड़ व विदेशी हैं। तीनों भाई अलग—अलग रहते हैं। रमायन बांसफोड़ पथरदेवा ब्लॉक के रामपुर शुक्ल गांव में सफाईकर्मी के पद पर तैनात था, उसकी पत्नी भी सफाई कर्मी है।

उसकी दो शादी हुई है। पहली पत्नी की मृत्यु हो चुकी है, जिसके बच्चे मलघोट बीरैचा गांव में रहते हैं। रमायन अपनी दूसरी पत्नी (सफाईकर्मी) व बच्चों के साथ मिश्रौली गांव में मकान बनवाकर रहता है। मझला भाई गंभू की पत्नी ममता भी सफाईकर्मी है। गंभू और रमायन की पहली पत्नी के लड़कों के बीच अक्सर मारपीट होती रहती थी। दो माह पूर्व गंभू बांसफोड़ के लड़कों ने रमायन के घर वालों की पिटाई कर दी थी, जिसमें पुलिस ने केस भी दर्ज किया था। बुधवार की रात में किसी बात को लेकर दोनों भाइयों के घर की महिलाओं के बीच कहासुनी हुई। देखते ही देखते बात बढ़ गई। रमायन के पहली पत्नी के लड़कों ने इसकी सूचना उनको दे दी। वे मिश्रौली से रात में बाइक से मलघोट पहुंच गए। बताते हैं कि रमायन के वहां पहुंचते ही गंभू और घर वाले लाठी—डंडा और लोहे का रॉड लेकर उनके ऊपर टूट पड़े। वह भाग कर घर के भीतर चला गया तो उनलोगों ने घर में घुसकर उसकी बेरहमी से पिटाई कर दी। उनके सिर में चोट लगी और वे गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़े। परिजन उनको महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कॉलेज देवरिया ले गए, जहां डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। इस मामले में मृतक रमायन के बेटे अजय प्रसाद की तहरीर पर गंभू प्रसाद पुत्र बाबूलाल, दिलीप पुत्र गंभू, ममता पत्नी गंभू व लक्ष्मण पुत्र बनारसी के खिलाफ बीएनएस की धारा 105, 333, 353, 351(2) व 351(3) के तहत केस दर्ज किया है। थाना प्रभारी मृत्युंजय राय ने बताया कि चार आरोपियों के खिलाफ गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया गया है।

1.15 करोड़ रुपये की चरस और ब्राउन शुगर बरामद

संवाददाता—देवरिया। भलुअनी पुलिस को बृहस्पतिवार को उस समय बड़ी कामयाबी मिली जब चेकिंग के दौरान दो मादक पदार्थों के तस्कर हत्थे चढ़ गए। पुलिस को उनके कब्जे से एक चार पहिया गाड़ी से चरस और ब्राउन शुगर मिला। बरामद मादक पदार्थों की कीमत एक करोड़ रुपए से अधिक है। जिले की थाना भलुअनी पुलिस को 22 अगस्त बृहस्पतिवार को मुखबिर द्वारा संदिग्ध वाहन की सूचना मिली।

सूचना पर सक्रिय पुलिस टीम ने ग्राम करमटार गंगा मोड़ के पास से बिहार के पंजीकरण की चार पहिया गाड़ी आते दिखी। पुलिस को देख और सख्ती के बाद चार पहिया वाहन चालक ने गाड़ी को रोक दिया। जांच के दौरान पुलिस को चार पहिया गाड़ी से 6.4 किलोग्राम चरस और 440 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद किया गया। बरामद चरस की अनुमानित कीमत 65 लाख रुपए तथा ब्राउन शुगर की अनुमानित कीमत 50 लाख रुपए है। पूछताछ में तस्करों ने अपना नाम और पता अभिषेक कुमार चतुर्वेदी पुत्र लल्लन चतुर्वेदी निवासी संठी थाना रघुनाथपुर जिला सिवान बिहार और अमृतांश सिंह उर्फ सन्नी सिंह पुत्र स्व.योगेश्वर सिंह निवासी नरेन्द्रपुर थाना आन्दर जिला सिवान बिहार बताया। भलुअनी थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर रामाज्ञा सिंह ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्तों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। इनके पास से लगभग एक करोड़ 15 लाख रुपए के मादक पदार्थ की बरामदगी की गई है।

पिकअप की चपेट में आने से युवक की मौत

संवाददाता—गोण्डा। आनंद नगर चौराहे पर बुधवार की रात चौपहिया वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार युवक की मौत हो गई है। पिता की शिकायत पर पुलिस ने चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम को भेजा है। मोतीगंज थाना क्षेत्र के सिंगारी पुरवा निवासी 28 वर्षीय युवक मनोज कुमार बुधवार की रात धानेपुर थाना क्षेत्र के आनंद नगर चौराहे पर बाइक से पहुंचा था। बताया जा रहा है कि वह पिकअप वाहन की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गया। आसपास के लोग जुटे इस पर एम्बुलेंस की मदद से उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मुजेहना लाया गया। जहां पर उपचार के दौरान युवक ने दम तोड़ दिया। इस पर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

छोटे भाई की पत्नी का हत्यारोपी जेठ गिरफ्तार

संवाददाता—गोण्डा। पारिवारिक विवाद में चाकू से छोटे भाई की पत्नी की हत्या करने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गुरुवार को मजिस्ट्रेट के समक्ष रिमांड के लिए उसे प्रस्तुत किया गया।

बताया जाता है कि थानाक्षेत्र के नवाबगंज गिर्द गांव के मजरा घूसे तिवारी पुरवा में बीते 24 जुलाई की रात पारिवारिक विवाद में महेन्द्र नाथ उर्फ रामू यादव पुत्र केशव यादव ने अपने छोटे भाई श्याम नारायन की पत्नी लालमती के पेट में चाकू से मारकर हत्या कर दिया था। मारपीट के दौरान उसने भाई और भतीजे पर भी चाकू से हमला किया था। भाई श्याम नारायन की तहरीर पर पुलिस ने रामू के विरुद्ध हत्या और जानलेवा हमले का मुकदमा दर्ज किया था। घटना के बाद से ही फरार चल रहे रामू को गुरुवार को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। प्रभारी निरीक्षक निर्भय नारायन सिंह ने बताया कि वांछित अभियुक्त को कटरा शिवदयालगंज स्टेशन के निकट रोड के डिवाइडर से गिरफ्तार कर लिया गया है। एसओ ने बताया कि मुकदमा दर्ज करने के बाद से ही पुलिस आरोपी रामू के संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही थी लेकिन वह पुलिस के हत्थे नहीं चढ़ रहा था। आखिरकार गुरुवार को मुखबिर की सूचना पर गिरफ्तार कर लिया गया।

डीएम करेंगी तहसील और विकासखंड का निरीक्षण

संवाददाता—गोण्डा। डीएम नेहा शर्मा गांव चौपाल कार्यक्रम में ग्रामीणों से संवाद के बाद अब तहसील और विकासखंड कार्यालय का निरीक्षण करेंगी। इस दौरान शासन की प्राथमिकता वाले कार्यक्रम राजस्व विवाद, स्वच्छता, मनरेगा, जैसे कार्यक्रमों की समीक्षा करेंगी। जिले की डीएम आगामी सितंबर और अक्टूबर माह में जिले के सभी तहसील एवं विकासखंड कार्यालयों का निरीक्षण करेंगी। डीएम की ओर से गुरुवार को इसका कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। इस दौरान संबंधित क्षेत्र में शासन के विकास प्राथमिकता वाले कार्यों के साथ जनशिकायतों के निस्तारण की गुणवत्ता पर जोर दिया जाएगा। डीएम नेहा शर्मा ने बताया कि शासन की विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की जाएगी। स्वास्थ्य, शिक्षा, साफ—सफाई सहित ग्रामों में विकास कार्यों के लिए बनाई जा रही योजनाओं का क्रियान्वयन, मनरेगा, विकासखंड पर आने वाले फरियादियों की शिकायतों के समाधान की गुणवत्ता आदि पर जोर दिया जाएगा।

3 सितंबर को तहसील गोण्डा सदर, 10 सितंबर को विकासखंड रुपईडीह, 13 सितंबर को तहसील करनैलगंज,17 सितंबर विकासखंड कार्यालय पंडरीकृपाल, 20 सितंबर को तहसील तरबगंज, 24 सितंबर को विकासखंड झंझरी, 27 सितंबर तहसील मनकापुर,1 अक्टूबर को विकासखंड कार्यालय इटियाथोक,4 अक्टूबर को विकासखंड कार्यालय मुजेहना,8 अक्टूबर विकासखंड कार्यालय करनैलगंज,11 अक्टूबर विकासखंड कार्यालय कटरा बाजार, 15 अक्टूबर विकासखंड कार्यालय परसपुर,18 अक्टूबर विकासखंड कार्यालय हलधरमऊ,22 अक्टूबर विकासखंड कार्यालय तरबगंज, 25 अक्टूबर विकासखंड कार्यालय बेलसर,29 अक्टूबर विकासखंड कार्यालय वजीरगंज,1 नवंबर विकासखंड कार्यालय नवाबगंज, 5 नवंबर विकासखंड कार्यालय मनकापुर, 8 नवंबर विकासखंड कार्यालय बभनजोत एव छपिया का निरीक्षण करेंगी।

सड़क चौड़ीकरण के लिए निचलौल कस्बे में पेड़ों की कटान शुरू

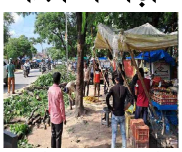

संवाददाता—महराजगंज। महराजगंज से ठूठीबारी तक एनएच 730 एस के चौड़ीकरण का कार्य शुरू हो गया है। इसके तहत बुधवार को सड़क बनाने वाली कंपनी के कर्मचारियों ने सड़क और नाली के बीच के अतिक्रमण को हटाने के लिए लोगों की चेतावनी दी, वहीं गुरुवार को सड़क के किनारे के पड़ों की कटान शुरू हो गई। हरे पड़ों के काट दिए जाने से राहगीरों को अब छाया नहीं मिल पाएगी। साथ ही कस्बे के प्रमुख चौराहे वीरान होने लगे हैं। महराजगंज से ठूठीबारी से बनने वाली टू लेन की सड़क का चौड़ीकरण का काम गति पकड़ लिया है। निचलौल कस्बे में कुछ ही स्थानों पर अधिग्रहण हुआ था। भू स्वामियों को मुआवजा भी मिल चुका है। गुरुवार को कटरा चौराहे के आसपास सड़क की दोनों पटरियों के किनारे पेड़ों की कटान की गई। पेड़ काटने के लिए बरेली से आए एक्सपर्ट मशीन से पांच मिनट में पेड़ काटकर सड़क पर गिरा दे रहे हैं और अगले दस मिनट में पेड़ की टहनियों का बोटा बनाकर ट्रक पर लादकर जगह खाली कर दे रहे हैं। इससे ट्रैफिक जाम की समस्या भी नहीं हो रही है।

निचलौल कस्बे में सड़क चौड़ीकरण कार्य के पहले हरे पेड़ों की कटान हो रही है। इसके चलते सुबह नौ बजे से शाम पांच बजे तक लोहियानगर, कोर्ट मोहल्ला आदि में बिजली आपूर्ति बाधित रही। एसडीओ बिजली आशीष बिष्ट ने बताया कि सड़क चौड़ीकरण के लिए पेड़ की कटान के दौरान बिजली आपूर्ति से कहीं किसी प्रकार का नुकसान न होने पाए, इसको देखते बिजली आपूर्ति प्रभावित हुई है। शाम को बिजली आपूर्ति बहाल की गई।

भेड़िए ने किया सातवां शिकार, दादी के हाथों से आठ साल की मासूम को छीन ले गया जानवर, नाले के किनारे मिला शव

संवाददाता—बहराइच। जिले में इन दिनों खूनी भेड़िए का आतंक जारी है। खूंखार भेड़िए अब तक सात लोगों को अपना शिकार बना चुका है। बुधवार की रात भी एक मासूम को खूनी भेड़िए ने निवाला बना डाला। हरदी थाने के पूरे बरती गड़रिया के भटौली मजरा निवासी आठ वर्षीय मासूम बच्ची को बुधवार की रात करीब 11 बजे दादी के हाथों से खूनी भेड़िया छीन ले गया। शोर सुनकर गांव में रात्रि गश्त टीम के साथ मौजूद बीडीओ महसी तत्काल सुबह छह बजे गांव से दूर नाले के किनारे मिला शव। महसी के भटौली गांव निवासी राजेश कुमार की मासूम बेटी खुशबू अपनी दादी रूपा के साथ बाहर चारपाई पर लेटी थी। तभी अचानक बिजली के उजाले में एक भेड़िया आया और खुशबू को मुंह में दबाकर खींचने लगा। जग रही उसकी दादी ने पोती को पकड़कर अपनी तरफ खींचा कुछ देर भेड़िए और दादी के बीच हुई खुशबू की छीना झपटी के बावजूद भी भेड़िया मासूम को उठा ले गया। दादी के बूढ़े हाथ पोती को बचाने में असफल रहे। शोर सुनकर दौड़े परिजनों ने तलाश शुरू की, सूचना मिलते ही गांव के आस—पास रात्रि गश्त में मौजूद एसडीएम अखिलेश कुमार सिंह व बीडीओ हेमंत कुमार यादव अपनी टीमों के साथ मौके पर पहुंचकर खोजबीन में जुट गए। रात भर चले तलाशी अभियान के बाद मासूम का शव सुबह छह बजे गांव के पश्चिम दूर नाले के किनारे एक पेड़ के नीचे क्षत —विक्षत अवस्था में मिला। बेटी के आधे— अधूरे शव को देख खुशबू की मां रामावती बेसुध होकर गिर पड़ी। मां सहित परिजन रो रोकर बेहाल हैं। उससे पहले 10रू50 बजे पास के ही गांव कोटिया टेपरा में अपने मामा के घर आई पांच वर्षीय मासूम बच्ची क्लाची पुत्री फूलचंद भेड़िए ने हमला किया। जिसमें मासूम गंभीर रूप से घायल हो गई उसका इलाज सीएचसी महसी में हो रहा है। बेटी रक्षाबंधन पर अपनी मां गीता देवी के साथ अपने गांव हरदी गौरा से मामा चेतराम कश्यप के घर गई थी।

पौधरोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

संवाददाता—श्रावस्ती। लोक निर्माण विभाग कार्यालय परिसर में गुरुवार को पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें इंजीनियर प्रमोद कुमार आचार्य की स्मृति में पौधे रोपे गए। साथ ही लोगों को ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाकर उनका संरक्षण करने का संदेश दिया। डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ की ओर से आयोजित कार्यक्रम में संघ के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने पौधरोपण कर इंजीनियर प्रमोद कुमार आचार्य को नमन किया। डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ के जिलाध्यक्ष सुधीर कुमार मिश्रा ने कहा कि आचार्य जी सौम्य, प्रभावशाली व आध्यात्मिक व्यक्तित्व के धनी थे। उन्होंने विशेष अवसरों पर पौधों को ही उपहार स्वरूप देने का संकल्प लिया था। जिला सचिव इंजीनियर नीरज कुमार ने कहा कि उनका नारा पेड़ लगाने का लो संकल्प, प्रकृति को बचाने का यही विकल्प का पालन करते हुए हम सभी लोगों ने पौधारोपण किया है। इस दौरान परिसर में विभिन्न प्रजातियों के 100 से अधिक पौधे रोपित कर उनके सुरक्षा और संरक्षण का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में सहायक अभियंता राकेश कुमार, विनोद प्रसाद, डीएन सिंह, महेन्द्रनाथ, गौरव श्रीवास्तव, उमेश कुमार सिंह, दर्शन सिंह, मोहम्मद जिशान, शकील अहमद, महेन्द्र कुमार आदि मौजूद रहे।

श्री राजगोपाल मंदिर सहित, सभी मंदिरों में झूलनोत्सव का हुआ समापन

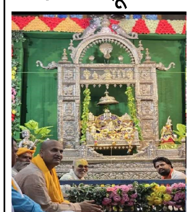

—भारतीय बस्ती संवाददाता— अयोध्या। श्रावण मास की तृतीय से चल रहे झूलनोत्सव का समापन पड़े ही हर्षोल्लास के साथ हुआ। इस वर्ष लाखों लाख श्रद्धालु 13 दिन के उत्सव में पहुंचे मां सरयू में स्नान करने के बाद श्री राम जन्मभूमि हनुमानगढ़ी कनक भवन दर्शन पूजन के उपरांत सभी मंदिरों में चल रहे झूलन महोत्सव का दर्शन पूजन कर अपने आप को धन्यवाद किया। प्राण प्रतिष्ठा के बाद पहली बार अयोध्या में झूलन महोत्सव भव्य तरीके से सभी मंदिरों में मनाया गया और पद गायन के साथ देर रात तक झूलनोत्सव चला। ठाकुर जी को पद सुन कर अगले वर्ष तक के लिए समापन किया गया।

श्री राजगोपाल मंदिर महंत सीताराम शरण महाराज के सानिध्य और अधिकारी सर्वेश्वर दास शरद महाराज के संयोजन में झूलनोत्सव पूरे उमंग पर है, पूरा मंदिर परिसर,प्यारी झूलन पधारो झुकी आई बदरा सजी भूषण बसन अखियन कजरा .... जैसे लोकगीत से गूंजायमान हो रहा है। सर्वेश्वर दास महाराज ने बताया कि 500 वर्षों के संघर्ष के बाद राम मंदिर का फैसला प्रभुत्व श्री राम जन्म स्थान पर विराजमान हो गए उसके बाद यहां पहला सावन झूला मेला बड़े ही उमंग और हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अयोध्या के सभी मंदिरों में श्रावण पूर्णिमा को झूलन महोत्सव का समापन किया जाता है यह उत्सव आनंद और उत्साह का है। उन्होंने बताया कि झूलनोत्सव में जगतगुरु रामदिनेशाचार्य, महंत रामकुमार दास, महंत जनार्दन दास,विकास सिंह, पूर्व सांसद लल्लू सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष के प्रतिनिधि आलोक सिंह रोहित सहित दर्जनों लोग अलग—अलग दिन ठाकुर जी के दर्शन किए।

पीड़ितों को आवासीय पट्टा व आर्थिक सहायता दी गई

संवाददाता—श्रावस्ती। नदी में घर कट जाने पर प्रशासन की ओर से कटान पीड़ितों को मदद दी गई। विधायक ने चार कटान पीड़ितों को आवासीय पट्टा भूमि का प्रमाण पत्र सौंपा। साथ ही उनके खाते में सहायता राशि भेजी गई।

विकास क्षेत्र इकौना के ग्राम पंचायत कुम्हरगड्डी टेंड़वा गांव तेजी से राप्ती नदी में विलीन हो रहा। कई ग्रामीणों के घर नदी की धारा में समाहित चुके हैं और लोग बेघर हो गए हैं। प्रशासन की ओर से कटान पीड़ितों को मदद दी जा रही है। गुरुवार को एसडीएम की मौजूदगी में विधायक की ओर से जिनके घर नदी में कट गए हैं उन्हें आवास बनाने के लिए भूमि पट्टा मुहैया कराने के साथ उनके खाते में सहायता धनराशि भेजी गई। इकौना तहसील सभागार विधायक राम फेरन पांडेय व उपजिलाधिकारी इकौना ओम प्रकाश की ओर से कटान पीड़ित कामिनी पत्नी राम मनोहर, नीलम देवी पत्नी बबलू, विमला देवी पत्नी गोपाल व चम्पा देवी पत्नी गोबरे को आवासीय भूमि का पट्टा प्रमाण पत्र सौंपा गया। साथ ही सभी महिलाओं के बैंक खाते में एक लाख 25 हजार रुपये की धनराशि भेजी गई। विधायक ने कहा कि सरकार सभी के सुख दुख में साथ है। लोगों की मदद करना सरकार अपनी जिम्मेदारी समझती है। इसलिए जिनके घर नदी में कट गए हैं उनकी मदद की जा रही है। साथ ही जिनकी पूरी भूमि नदी में समाहित हो चुकी है उन्हें पट्टे पर आवासीय भूमि मुहैया कराई जा रही है। इस मौके पर तहसीलदार विपुल सिंह, नायब तहसीलदार प्रांजल त्रिपाठी, रजिस्ट्रार कानूनगो प्रदीप श्रीवास्तव, आशुतोष पांडेय, विधायक प्रतिनिधि बिन्नू तिवारी, एडवोकेट ओम प्रकाश द्विवेदी, गिलौला प्रमुख प्रतिनिधि प्रकाश चंद्र पटवा, प्राथमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष विनय कुमार पांडेय आदि मौजूद रहे।

जिला जेल में साफ—सफाई की व्यवस्था रखें दुरुस्त

संवाददाता—गोण्डा। अपर जिला जज व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव दानिश हसनैन ने गुरुवार को जिला कारागार का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न बैरकों में जाकर बंदियों के रहने और साफ सफाई की व्यवस्था का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्देश दिए कि इसमें किसी प्रकार की कोताही न की बरती जाए। जेल चिकित्सालय में निरीक्षण के दौरान सचिव ने वहां इलाज करा रहे बंदियों से उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। अपर जिला जज ने जिला कारागार में पाकशाला में बंदियों के लिए तैयार किये जा रहे भोजन की गुणवत्ता परखी। उपस्थित जेल प्रशासन के अधिकारियों को बंदियों के स्वास्थ्य परीक्षण के लिए निर्देशित किया। सचिव ने निरीक्षण के दौरान पेयजल व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए निर्देशित किया। बंदियों को कानूनी जानकारी देने के लिए विधिक साक्षरता शिविर का भी आयोजन किया गया। शिविर में निरुद्ध बंदियों को विधिक जानकारी दी गई। इस दौरान जेलर शिव प्रताप मिश्रा, चीफ एलएडीसी विनोद सिंह, डिप्टी चीफ एलएडीसी अनिमेष चतुर्वेदी, असिस्टेंट एलएडीसी बृजलाल तिवारी व प्रभात श्रीवास्तव, डिप्टी जेलर सुरेश कुमार व विधिक सेवा प्राधिकरण के अंकित वर्मा मौजूद रहे।

युवा संतों महंतों ने युवा नेता आलोक सिंह रोहित का किया स्वागत

—भारतीय बस्ती संवाददाता— अयोध्या। अयोध्या की प्राचीन पीठ श्रीसरयू कुंज, वशिष्ठकुंड पीठाधीश्वर महंत राममिलन शरण के नेतृत्व में युवा संतों ने अयोध्या जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि आलोक सिंह रोहित का रामनामा ओढ़ा एवं श्रीरामलला सरकार का चित्रपट भेंटकर गर्मजोशी से स्वागत किया। अपने स्वागत—सम्मान से जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि श्री सिंह बहुत ही अभिभूत और हर्षित दिखे। उन्होंने उपस्थित सभी संत—महंतों से आशीर्वाद प्राप्त किया। बुधवार की देररात्रि जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि व युवा भाजपा नेता आलोक सिंह रोहित अयोध्याधाम के वशिष्ठकुंड स्थित श्रीसरयूकुंज मंदिर पहुंचे थे। जहां पीठ के महंत राममिलन शरण के संयोजन में युवा संतों ने रामनामा ओढ़ा एवं श्रीरामलला सरकार का चित्रपट भेंटकर उनका स्वागत—सम्मान किया। उसके बाद जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि ने संतों से भेंट—मुलाकात की। उन्होंने संतों का हालचाल जाना। उनसे परिचय प्राप्त कर आशीर्वाद लिया। इस मौके पर श्रीसरयूकुंज पीठाधिपति महंत

राममिलन शरण ने बताया कि मठ में अयोध्या जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह के पति व प्रतिनिधि युवा भाजपा नेता आलोक सिंह रोहित आए थे। जिनका आश्रम पर रामनगरी के युवा संतों ने स्वागत किया। संतों द्वारा अंगवस्त्र ओढ़ा और श्रीरामलला का चित्र देकर उनका सम्मान किया गया।

जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि आलोक सिंह ने कहा कि वह सरयूकुंज आश्रम पर आए। मंदिर में विराजमान श्रीरामजानकी भगवान का दर्शन किया। यहां आकर उन्हें बहुत ही अच्छा लगा। अयोध्या के युवा संतों से भेंट—मुलाकात की। उनका परिचय और हालचाल जाना। साथ ही संतों से आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर सीताकांत सदन के महंत रामानुज शरण ब्रह्मचारी, श्रीरामाश्रम पीठाधीश्वर महंत जयराम दास वेदांती, श्रीरामकृष्ण मंदिर के पीठाधिपति श्रीमहंत गणेशानंद दास, परमहंस आश्रम पीठाधीश्वर महंत गोविंद दास, जायसवाल मंदिर के महंत श्याम सुंदर दास, रामजानकी विश्वकर्मा पांचाल मंदिर के महंत महेश दास, किशोरी कृपा कुंज के महंत स्वामी रामजी दास, मौर्या मंदिर के महंत सनत कुमार दास, महंत धर्मदास, स्वामी गयाशरण, आचार्य कृष्णचंद्र ठाकुर, प्रियेश दास, घनश्याम यादव, एडवोकेट संजय तिवारी, रामनारायण मौर्या समेत सैंकड़ो लोग मौजूद रहे।

राप्ती नदी में डूबकर किसान लापता

संवाददाता—श्रावस्ती। खेत में यूरिया का छिड़काव करने गए एक किसान का पैर फिसल गया। इससे वह राप्ती नदी में गिर गया और डूबकर लापता हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस व एनडीआरएफ की ओर से तलाश की गई लेकिन किसान का सुराग नहीं लगा।

सोनवा थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत धूमबोझी के मजरा भगवानपुर निवासी सियाराम गोड़िया (60) पुत्र बदल का खेत राप्ती नदी के किनारे स्थित है। किसान सियाराम गुरुवार को खेत में यूरिया का छिड़काव करने जा रहे थे। नदी के पास पहुंचते ही उनका पैर फिसल गया और वह राप्ती नदी में गिर गए। राप्ती का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर है और पानी का तेज बहाव है। ऐसे में नदी में गिरते ही किसान पानी के तेज बहाव के साथ बह गए और कुछ दूर जाकर नदी में डूब कर लापता हो गए। घटना देख गांव के लोग मौके पर एकत्र होकर उनकी तलाश करने लगे। लेकिन पता नहीं चला। लोगों की ओर से सूचना पुलिस को दी गई। सूचना पर सोनवा थाना प्रभारी शिवशरन गौड़ दल बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और खोज शुरू कराई। लेकिन कहीं सुराग नहीं लगा। इस पर पुलिस की ओर से पीएसी (बाढ़) को मौके पर बुलाया गया। पीएसी जवानों ने मोटरबोट से दूर दूर तक नदी में तलाश की लेकिन सियाराम का पता नहीं लगा। नदी में तलाश की जा रही है।

मानव तस्करी एक घृणित अपराध —राजेश

संवाददाता—महराजगंज। महराजगंज सीमा क्षेत्र के खैराघाट में एसएसबी की ओर से ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें मानव सेवा संस्थान सेवा के निदेशक राजेश मणि ने कहा कि मानव तस्करी एक घृणित अपराध है। इसको रोकने के लिए सभी को सजग रहना होगा। इस कार्यक्रम में बढ़नी, खनुआ, ककरहवा, अलीगढ़वा व सोनौली बॉर्डर बीओपी से इंस्पेक्टर और जवान सम्मिलित हुए।

उन्होंने मानव तस्करी के नए आयाम और चुनौतियों पर चर्चा करते हुआ कहा कि यह दुनिया की तीसरे नंबर की तस्करी बन चुकी है। इस पर सभी को काम करना होगा। चूंकि बॉर्डर पर एसएसबी जवान फर्स्ट रिस्पांडर है तो सबसे अधिक चुनौती भी है। कहा कि सामुदायिक सतर्कता बढ़ानी होगी। पंचायत को सक्रिय करना होगा और युवक व युवतियों को जागरूक करना होगा। इसके साथ ही एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट, पुलिस व एसएसबी के बीच सामंजस्य बिठाना होगा। मसाज पार्लर, आर्केस्ट्रा, प्लेसमेण्ट एजेंसी और ईंट भट्ठों को लेकर मुस्तैद रहना होगा।

निदेशक मणि ने कहा कि एसएसबी जवानों के सामने बड़ी चुनौती यह है कि बचाव और सतर्कता से इसे कम किया जाए। कहा कि मानव सेवा संस्थान सेवा पिछले ढाई दशक से इंडो नेपाल बॉर्डर पर मानव तस्करी रोकने के लिए कार्य कर रही है।

सामूहिक दुष्कर्म के आरोपी मोईद खान के शापिंग काम्प्लेक्स पर चला बुलडोजर, एक साथ चलीं तीन जेसीबी

संवाददाता–अयोध्या। जिले में भदरसा कस्बे में नाबालिग बच्ची के साथ हुए सामूहिक दुष्कर्म को लेकर योगी सरकार पूरे एक्शन में है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कड़े फरमान के बाद जिला प्रशासन ने घटना के मुख्य आरोपी सपा नेता मोईद खान के खिलाफ कार्रवाई करते हुए सरकारी भूमि व तालाब पर बनाए गए मल्टी कॉम्प्लेक्स पर बुलडोजर की कार्रवाई हुई। बताया जा रहा है कि गुरुवार रात तक आरोपी का आधा साम्राज्य ढहा दिया जाएगा। इससे पहले तहसील प्रशासन की जांच मे आरोपी की बेकरी तालाब की भूमि पर पाए जाने के बाद तहसील प्रशासन ने बेकरी निर्माण इकाई पर बुलडोजर चलवाकर उसे ध्वस्त करा दिया था।

अयोध्या विकास प्राधिकरण के सचिव सत्येंद्र सिंह ने बताया कि इस बिल्डिंग का निर्माण अवैध ढंग से तालाब की जमीन पर और चकरोड की जमीन पर कब्जा करके किया गया था। विकास प्राधिकरण के द्वारा पूर्व में कई बार नोटिस दी जा चुकी थी। उसके बाद उनके द्वारा मानचित्र नहीं दाखिल किया गया। न तो किसी प्रकार की रुचि ही दिखाई गई। इसके ध्वस्तीकरण का आदेश जून में ही पारित कर दिया गया था। इस आदेश का तामीला कराते हुए ध्वस्तीकरण की कार्रवाई को एक्टिवेट कराया गया है। एसडीएम के द्वारा आगे जांच की जा रही है, आगे भी जो अवैध संपत्ति पाई जाएगी उस पर भी कार्रवाई की जाएगी। अयोध्या सीओ आशुतोष मिश्रा ने बताया की सुरक्षा की पर्याप्त व्यवस्था की गई थी। आसपास के क्षेत्र को खाली कराया गया है। बड़ी संख्या में पुलिस फोर्स मौजूद है। आवश्यकता अनुसार ट्रैफिक को भी डायवर्ट किया गया है।

अब सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों को नैफैड देगा पुष्टाहार

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। जिले के आंगनबाड़ी केन्द्रों पर एक बार फिर से कार्यदायी संस्था नैफैड द्वारा पुष्टाहार का वितरण किया जाएगा। इसके पूर्व यह जिम्मेदारी स्वयं सहायता समूहों द्वारा स्थापित चार लघु उद्योगों पर थी लेकिन उनके द्वारा वितरण का सही प्रबंध न कर पाने से यह जिम्मेदारी फिर नैफेड को सौप दी गई है। जिले में कुल 2551 आंगनबाड़ी केन्द्र संचालित हैं। अकबरपुर में स्थापित अन्नपूर्णा महिला लघु उद्योग पर विकास खंड क्षेत्र अकबरपुर के केन्द्रों पर पुष्टाहार पहुंचाने की जिम्मेदारी थी। इसी प्रकार सवेरा प्रेरणा महिला लघु उद्योग कटेहरी व भीटी तथा अमर प्रेरणा महिला लघु उद्योग से जलालपुर व संघर्ष प्रेरणा महिला लघु उद्योग से जहांगीर गंज और रामनगर में स्थित केन्द्रों पर पुष्टाहार पहुंचाने का जिम्मा था। शेष विकास खंड में नैफेड द्वारा वितरण किया जाना था लेकिन स्वयं सहायता समूह के द्वारा समय पर वितरण न कर पाने से बीते दिनों शासन ने सभी नौ विकास खंडों में संचालित 2551 केन्द्रों पर जुलाई, अगस्त व सितम्बर माह का वितरण नैफेड द्वारा करने का निर्णय लिया गया है। पुष्टाहार योजना के तहत आंगनबाड़ी केन्द्रों से प्रतिमाह गर्भवती व धात्री डेढ़ किलो दलिया, एक किलो चना दाल व 455 ग्राम खाद्य तेल दिया जाता है। वहीं छह माह से तीन वर्ष के बच्चों को एक किलो दलिया, एक किलो चना दाल व 455 ग्राम खाद्य तेल तथा तीन से छह वर्ष के बच्चों को आधा किलो गेहूं की दलिया व आधा किलो चना दाल का वितरण किया जाता है। अति कुपोषित बच्चों को डेढ़ किलो गेहूं की दलिया, दो किलो चना दाल व 455 ग्राम खाद्य तेल वितरित किया जाता है।

प्राणघातक हमले के आरोपी की जमानत अर्जी खारिज

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। ि प्राणघातक हमले के मामले में आरोपी की जमानत अर्जी जिला एवं सत्र न्यायाधीश राम सुलीन सिंह ने खारिज कर दी। मामला पखवारा भर पूर्व कोतवाली अकबरपुर का है। अकबरपुर कोतवाली क्षेत्र के मरूई ताजपुर के पास अमन कुमार के ऊपर गत माह 29 जुलाई को उस समय प्राणघातक हमला किया गया था जिस समय वह बाजार से घर जा रहा था। आरोप है कि दहीरपुर निवासी अंकुर पुत्र बलिराम ने अपने दो साथियों के साथ अंकुर के ऊपर चाकू से प्रहार किया जिससे उसे गम्भीर चोटें आईं। मुकदमा दर्ज होने बाद कोतवाली पुलिस ने आरोपी के कब्जे से हमले में प्रयुक्त चाकू बरामद किया था। सत्र न्यायालय में आरोपी अंकुर की ओर से दिए गए जमानत अर्जी पर डीजीसी क्रिमिनल गोविन्द श्रीवास्तव ने विरोध किया जबकि बचाव पक्ष के अधिवक्ता ने अपने मुवक्किल के समर्थन में तर्क दिए। अपराध की गम्भीरता के दृ ष्टिगत जिला जज ने आरोपी की जमानत अर्जी खारिज कर दी।

यहां भी चले बुलडोजर, अंबेडकरनगर रेप पीड़िता के पिता की सीएम योगी से गुहार

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। जिले के राजेसुल्तानपुर क्षैत्र में दुष्कर्म पीड़िता के पिता ने आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई और उनके घर बुलडोजर से ढहाये जाने की गुहार लगायी है। रेप के बाद पुलिस ने नहीं सुनी तो पीड़िता ने आत्महत्या भी कर ली थी। फिलहाल वारदात में शामिल तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है जबकि लापहरवाही बरतने के आरोप में एक पुलिस उपनिरीक्षक को लाइन हाजिर किया गया है। पीड़िता के पिता का कहना है कि मुख्यमंत्री योगी आदत्यिनाथ महिला सुरक्षा को लेकर संवेदनशील हैं। उनसे मांग है कि आरोपियों को कड़ी सजा दिलायें और उनके घरों पर बुलडोजर की कार्रवाई की जाये। पिता ने कहा कि उन्हे आर्थिक मदद का आश्वासन पुलिस और जिला प्रशासन की तरफ से मिला है। गौरतलब है कि 16/17 अगस्त की रात क्षेत्र के एक गांव में सामूहिक बलात्कार की शिकार 21 वर्षीय युवती ने घर में दुपट्टे के सहारे फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली थी। आरोप है कि पुलिस ने इस मामले में एफआईआर दर्ज करने में टालमटोल किया जिससे आजिज युवती ने फांसी लगायी।

पुलिस अधीक्षक के संज्ञान में मामला आने के बाद मृतका के पिता की तहरीर पर पुलिस ने भभौरा निवासी समीर, समडीह निवासी सत्यम यादव तथा अलाउद्दीनपुर निवासी हरश्यिाम यादव के खिलाफ युवती को आत्महत्या के लिए उकसाने व परेशान करने की धाराओं में केस दर्ज किया था जबकि युवती के पिता ने सामूहिक दुष्कर्म का आरोप लगाया था जिसके बाद में पुलिस ने मामले में तीनों आरोपियों के खिलाफ सामूहिक दुष्कर्म की धारा बढ़ा दिया। रविवार और सोमवार की रात दुष्कर्म के दो आरोपियों समीर व सत्यम को राजेसुल्तानपुर से गिरफ्तार कर लिया था। पुलिस टीम दोनों आरोपियों को अस्पताल से फिंगर प्रिंट के लिए एसपी कार्यालय ले जा रही थी कि कटरिया याकूबपुर जाने वाले मार्ग के निकट वे दोनों फरार होने के लिए जीप से कूद पड़े। हालांकि पुलिसकर्मियों ने फौरन जीप रोककर उन्हें पकड़ लिया। इस दौरान दोनों घायल हो गए। पुलिसकर्मी फौरन उन्हें लेकर जिला अस्पताल पहुंचे। वहां दोनों के पैर में फ्रैक्चर होने की वजह से प्लास्टर लगाया गया। इसके बाद पुलिसकर्मियों ने दोनों आरोपियों को जनपद न्यायालय में पेश किया। जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

उधर फरार तीसरे आरोपी हरश्यिाम को पुलिस टीम ने मंगलवार देर शाम गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस वे के निकट चोरमरा क्षेत्र में घेर लिया। उसने पुलिस कर्मियों पर फायर किया। इसके बाद जवाबी फायरिंग में उसके पैर में गोली लग गई। पुलिस कर्मियों ने इसके बाद उसे पकड़ लिया। इलाज के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया जहां पर इलाज किया जा रहा था।

अप्राकृतिक दुष्कर्म करने के आरोपी को 10 वर्ष का सश्रम कारावास

संवाददाता–संतकबीरनगर। पांच वर्ष के अबोध बालक के साथ अप्राकृतिक दुष्कर्म करने के आरोपी को एडीजे एवं विशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट कृष्ण कुमार पंचम की कोर्ट ने दोष सिद्ध करार देते हुए दस वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई। आरोपी दिवाकर पर कोर्ट ने दुष्कर्म एवं पाक्सो एक्ट की धारा में पांच–पांच हजार कुल दस हजार रुपए का अर्थदण्ड भी लगाया है। अर्थदण्ड का भुगतान न करने पर आरोपी को छह माह की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। विशेष लोक अभियोजक पाक्सो एक्ट अभिमन्यु पाल व सत्येन्द्र शुक्ल ने बताया कि मामला दुधारा थाना क्षेत्र के एक गांव का है। प्रकरण में पीड़ित बालक की मां ने अभियोग पंजीकृत कराया था। प्रभारी निरीक्षक थाना दुधारा को 22 फरवरी 2017 को प्रार्थना पत्र दिया। उसका आरोप था कि वह अनुसूचित जाति की है। 19 फरवरी 2017 को दिन में लगभग दो बजे उसके पांच वर्षीय बालक को दिवाकर पुत्र रामपत ग्राम पक्षतुरवा थाना दुध ाारा सरसों के खेत में ले जा करके अप्राकृतिक दुष्कर्म किया। लड़के के रोने चिल्लाने पर वहां से भाग लिया। लड़का रोते हुए घर आया और पूरी बात बताई। पुलिस ने अप्राकृतिक दुष्कर्म व पाक्सो एक्ट का अभियोग पंजीकृत करके विवेचना के उपरांत आरोप पत्र न्यायालय में प्रेषित किया। विशेष लोक अभियोजक अभिमन्यु पाल ने बताया कि मुकदमे में अभियोजन की तरफ से कुल छह गवाह प्रस्तुत किए गए। एडीजे एवं विशेष न्यायाध ीश पाक्सो एक्ट कृष्ण कुमार पंचम की कोर्ट ने पक्षों की बहस सुनने एवं पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यों का अवलोकन करने पर आरोपी दिवाकर को दोष सिद्ध करार देते हुए 10 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई।

नुसरत अतीक के काव्य संग्रह का लोकार्पण 25 को

संवाददाता–गोरखपुर। मुख्य संवाददाता शायर नुसरत अतीक की कविता पुस्तक 'जुगनू एक सितारा और 'यादों की रेजगारी का लोकार्पण 25 अगस्त को सुबह 11 बजे प्रगति इन होटल में आयोजित किया गया है। अदबी चौपाल साहित्य संस्था की ओर से आयोजित इस कार्यकम के मुख्य वक्ता वरिष्ठ आलोचक गोरखपुर विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के प्रो. अनिल राय हैं। कार्यक्रम की अध यक्षता डॉ. अजीज अहमद करेंगे। इस मौके पर उत्तर प्रदेश उर्दू एकेडमी के पूर्व अध्यक्ष चौधरी कैफुलवरा अंसारी, गीतकार डॉ. बुद्धिनाथ मिश्र, डॉ. अखिलेश मिश्र। फारूक जायसी, वरिष्ठ पत्रकार काजी अब्दुर्रहमान मौजूद रहेंगे। संचालन शायर डॉ. कलीम कैसर करेंगे।

वृद्धाआश्रम में वैदिक यज्ञ भेंट किया वैदिक साहित्य

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। आर्य समाज नई बाजार बस्ती द्वारा आयोजित श्रावणी उपाकर्म एवं वेद प्रचार सप्ताह के तृतीय दिवस का कार्यक्रम वृद्धाश्रम बनकटा बस्ती में सुपरवाइजर अजीत की देखरेख में सम्पन्न हुआ। जिसमें आचार्य महावीर मुमुक्षु द्वारा वैदिक यज्ञ कराते हुए सबको ईश्वर भक्ति की प्रेरणा दी गई और वैदिक साहित्य भेंट किया गया। पण्डित नेम प्रकाश त्रिपाठी ने बताया कि कहा कि सत्संग वह है चाभी है जिससे आनन्द के द्वार खुलते हैं। वृद्धावस्था में नित्य उपासना अर्थात ईश्वर भजन कीर्तन से जीवन को सुखी बनाया जा सकता है।

इसके पश्चात संत नारायण पब्लिक स्कूल भरौली बाबू में बच्चों और शिक्षकों को सम्बोधित करते हुए आचार्य महावीर मुमुक्षु ने बताया कि विद्या से हमें विनम्रता सिखाती है और विद्या के मूल स्रोत वेद हैं और वेद सब सत्य विद्याओं की पुस्तक है। वेद का पढ़ना पढ़ाना और सुनना सुनना सब मनुष्यों का परम धर्म हैं इसलिए हमें अपने माता पिता के साथ सत्संग में जाना चाहिए। उन्होंने बच्चों को शुद्ध अचार–विचार और व्यवहार के बारे में बताते हुए अभिवादनशील बनने का सुझाव दिया। विद्यालय के प्रबंधक जे पी चौबे ने कहा कि आज बच्चों को पाठ्यक्रम के अलावा धर्म संस्कार की शिक्षा देना अति आवश्यक है। सायंकालीन सभा में संचालन करते हुए ओम प्रकाश आर्य प्रधान आर्य समाज नई बाजार बस्ती ने कहा कि समाज का उपकार करना इस समाज का मुख्य उद्देश्य है अर्थात लोगों की शारीरिक, मानसिक और सामाजिक उन्नति करना। पण्डित नेम प्रकाश त्रिपाठी ने मधुर भजनों के माध्यम से सुखी गृहस्थ के साधन विषय पर चर्चा करते हुए बताया कि हमें नित्य पॉच काम करने चाहिए। पहला ईश्वर की स्तुति प्रार्थना व उपासना दूसरा देवयज्ञ हवन तीसरा अपने आश्रित जीव जन्तुओं को भोजन देना चौथा जीवित माता पिता आदि की भोजन वस्त्र जल औषधि आदि से सेवा करना पॉचवॉ विद्वान अतिथि की सेवा करना और उनसे जीवन की सफलता के उपदेश सुनना। ये पॉच काम सभी मानवों के लिए अनिवार्य हैं। यही सुखी गृहस्थ के मूलमंत्र हैं।

इस कार्यक्रम मुख्य रूप से राजेन्द्र जायसवाल, दिलीप कसौध ान, शंकर जायसवाल, रवि कुमार, योग शिक्षक अजीत पाण्डेय, रजत कुमार, आशीष बरनवाल, संतोष पाण्डेय, चंद्रप्रकाश चौधरी, श्रवण कुमार, उर्मिला बरनवाल, अंशुमाला अग्रवाल, गुड़िया, महिमा आर्य, कामना पाण्डेय, रश्मि गुप्ता, आयुषी आर्य, ब्रह्मानंद पाण्डेय, वैष्णव कुमार श्रीवास्तव सहित अनेक लोग सम्मिलित रहे।

बच्चों के हित एवं विकास पर ध्यान दे कमेटी

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। खुनियाव ब्लॉक कार्यालय पर गुरुवार को ब्लॉक स्तरीय बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक बीडीओ अरुण कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में हुई। बीडीओ ने कहा कि महिला कल्याण एव बाल संरक्षण से संबंधित जुड़ी सभी योजनाओं का व्यापक रूप से प्रचार प्रसार करें। बच्चों के हित एवं विकास पर कमेटी को विशेष रूप से ध्यान दे। बाल संरक्षण आधि ाकारी विवेक कुमार मालवीय ने मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, स्पॉन्सरशिप योजना, कन्या सुमंगला योजना, बाल श्रम, बाल विवाह की रोकथाम, वन स्टॉप सेंटर, बाल कल्याण समिति, किशोर न्याय बोर्ड, चाइल्ड लाइन 1098 एवं महिला हेल्प लाइन नंबर 181 के बारे में जानकारी दी। उन्होंने अधिक से अधि ाक लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर चिकित्सा अधीक्षक डॉ. पी यादव, सीडीपीओ मो. अरशद, उपनिरीक्षक राम बचन शर्मा, अविनाश सिंह, महिला कांस्टेबल अर्चना यादव, सुनीता देवी, सुमन श्रीवास्तव आदि मौजूद रहीं।

बैंक की चेकिंग कर दिलाया सुरक्षा का अहसास

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। लोटन पुलिस ने गुरुवार को बैंक, एटीएम व ग्राहक सेवा केंद्रों के अंदर व बाहर खड़े लोगों से पूछताछ की। साथ ही संदिग्ध दिखने वाले व्यक्तियों की तलाशी करते हुए बैंक के आसपास खड़े हुए वाहनों की भी चेकिंग की। पुलिस ने बैंकों आदि में लगे सीसीटीवी व सायरन को भी चेक किया।

प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार मौर्य ने बताया कि किसी भी बैंक के कर्मचारियों की ओर से फोन पर कभी भी आपके खाता से संबंधित कोई भी व्यक्तिगत जानकारी नहीं मांगी जाती है। ऐसे में किसी भी अज्ञात व्यक्ति को अपने एकाउंट की पर्सनल जानकारी न दें और न ही ओटीपी बताएं।

फरार चल रहे तीन आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। शिवनगर डिड़ई पुलिस ने फरार चल रहे तीन आरोपियों को गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया है। केस दर्ज होने के बाद से वह लोग फरार चल रहे थे। थानाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह ने बताया कि मोहम्मद अहमद पुत्र अंसारुल्लाह, महमूदा पत्नी मोहम्मद अहमद, शगुफ्ता पुत्री अंसारुल्लाह के खिलाफ धारा 323,504,506, 498 (ए), 3द्ब4 डीपी एक्ट का केस दर्ज था। पुलिस आरोपियों की तलाश में थी। गुरुवार को उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है।

शहर के पुराना नौगढ़ में भी चलेगा प्रशासन का बुलडोजर, हुई पैमाइश

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। शहर का पुराना नौगढ़ जो अब तक अतिक्रमण हटाने के मामले में अछूता था वहां भी प्रशासन बुलडोजर चलाकर कज ध्वस्त करेगा। गुरुवार को पैमाइश करा कर लाल निशान लगा दिया गया है। एक हफ्ते में अतिक्रमण हटाने का निर्देश दिया गया है।

डीएम डॉ. राजागणपति आर अतिक्रमण को लेकर काफी सख्त हैं। शहर के भीमापार से अतिक्रमण हटवाने के बाद शनिवार को खजुरिया रोड से हटाने का काम शुरू होगा। डीएम की सख्ती का नतीजा यह है कि लोग खुद से अतिक्रमण हटाने लगे हैं। कोई पक्का मकान तो कोई दुकानें तोड़ रहा है। तहसील, थाना व जिला पंचायत की बाउंड्री भी अतिक्रमण में आने से उसे भी तोड़ा जाना है। इस बीच गुरुवार को एसडीएम ललित कुमार मिश्र, नायब तहसीलदार विजय कुमार श्रीवास्तव, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका विंध्याचल पुराना नौगढ़ राजस्व टीम के साथ पहुंचे जहां अब तक एक बार भी अतिक्रमण नहीं हटाया गया था। पैमाइश कर अतिक्रमण वाले स्थानों पर लाल निशान लगा कर एक सप्ताह में स्वतरू तोड़ लेने को कहा। उन्होंने कहा कि अगर समय सीमा के अंदर खुद अतिक्रमण नहीं हटाते हैं तो प्रशासन तोड़ेगा और होने वाले खर्च की वसूली संबंधित से करेगा। पुराना नौगढ़ जो अब तक अतिक्रमण हटाने के मामले में अछूता रहा वहां पर हड़कंप मचा हुआ है।

क्राइम ब्रांच का इंस्पेक्टर बनकर मजदूरों से वसूली करता था पीएसी का बर्खास्त सिपाही, गिरफ्तार

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखपुर में काम दिलाने के बहाने आस–पास के जिले से मजदूरों को ठेकेदारों को बुलाकर बंधक बनाकर रुपये वसूलने वाले पीएसी के एक बर्खास्त सिपाही के गैंग को गुरुवार को कैंट पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गोरखपुर में काम दिलाने के बहाने आस–पास के जिले से मजदूरों को ठेकेदारों को बुलाकर बंधक बनाकर रुपये वसूलने वाले पीएसी के एक बर्खास्त सिपाही के गैंग को गुरुवार को कैंट पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गाजीपुर निवासी बर्खास्त सिपाही क्राइम ब्रांच का इंस्पेक्टर बनकर यह वसूली करता था। किराये के मकान में बंधक बनाकर वसूली की जाती थी। पास में पैसा न होने पर परिवारवालों पर दबाव बनाकर खाते में पैसा ट्रांसफर कराता था। गिरोह ने 15 से ज्यादा लोगों से वसूली की है अब तक पांच ने मुकदमा भी दर्ज करा दिया है।

एसएसपी डा. गौरव ग्रोवर ने बताया कि पीएसी से बर्खास्त सिपाही की पहचान गाजीपुर जिले के करंडा थाना क्षेत्र के परमेठ गांव निवासी लक्ष्मीकांत सिंह उर्फ राणा सिंह उर्फ अजय सिंह पुत्र जगदीश नारायण सिंह के रूप में हुई है। गिरोह का यही मास्टर माइंड है। जबकि उसके दो साथी गोरखपुर के ही रहने वाले हैं। उनमें से एक अंगद कुमार पुत्र राम मिलन,आबादी शखनी थाना गुलरिहा तो दूसरा वासुदेव शर्मा पुत्र संजय शर्मा,सटोरा थाना सिकरीगंज के निवासी हैं। यह दोनों उसके लिए शिकार की तलाश करते थे। बर्खास्त सिपाही ने इससे पहले वाराणसी और फिर संतकबीरनगर में इस तरह की वारदात को अंजाम दे चुका है। दोनों जगहों पर उसके ऊपर केस दर्ज हुआ था जिसमें जेल भी गया था।

जमानत पर छूटने के बाद उसने मई 2024 से गोरखपुर जिले में अपना ठिकाना बनाया था। बंधक बनाकर वसूली के लिए उसने कैंट इलाके के रानीडिह में किराये पर मकान लिया था। एसएसपी डा. गौरव ग्रोवर ने बताया कि आरोपितों के पास से आठ मोबाइल और 82,050 रुपये के साथ ही घटना में इस्तेमाल होने वाली कार और अन्य दस्तावेज बरामद हुए हैं। आरोपितों ने कुल 15 लोगों से बंधक बनाकर वसूली करने की बात कबूली है इसमें सात गोरखपुर में उसने किया है। एसएसपी ने बताया कि पांच लोगों ने अब तक उसके खिलाफ केस दर्ज कराया है। अन्य लोग जैसे–जैसे सामने आएंगे केस दर्ज किया जाएगा और आरोपित के खिलाफ गैंगस्टर की भी कार्रवाई की जाएगी।

एसडीएम ने लिया विद्युत उपकेंद्र का जायजा

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। क्षेत्र के सिरसिया स्थित 132केवी विद्युत उपकेंद्र डुमरियागंज में बाढ़ का पानी भर गया है। गुरुवार को एसडीएम डॉ. संजीव दीक्षित ने पहुंचकर हालात का जायजा लिया। कर्मचारियों ने बताया कि 24 घंटे उपकेंद्र के कंट्रोल रूम मे रह कर 33केवी डुमरियागंज, भानपुर तहसील, भारतभारी, तिलगड़िया, खानतारा, तरहर, कठौतया एवं बिथरिया पंप कैनाल की विद्युत आपूर्ति कर रहे हैं। बाढ़ के समय ग्रमीण जनता को पूर्ण रूप से बिजली आपूर्ति मिल पा रही है।

बार एसोसिएशन की चुनावी तैयारियां पूरी, 11 को होगा मतदान

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। एल्डर कमेटी बार एसोसिएशन ने डुमरियागंज बार एसोसिएशन के चुनाव की तिथि घोषित कर दी है। दो सितम्बर से नामांकन की प्रक्रिया शुरू होगी और 11 सितंबर को चुनाव होने के बाद शाम तक परिणाम घोषित किया जाएगा। एसोसिएशन अध्यक्ष मलिक इकबाल यूसुफ ने बताया कि हसमत अली को चुनाव अधिकारी, इंद्रासन त्रिपाठी को सहायक चुनाव अधिकारी बनाया गया हैं। विभिन्न पदों के लिए नामांकन प्रक्रिया दो सितम्बर से शुरू होगी। चुनाव के लिए वोटर लिस्ट का प्रकाशन 23 अगस्त, वोटर लिस्ट पर आपत्ति 24 अगस्त, आपत्ति का निस्तारण 27 अगस्त, अंतिम वोटर लिस्ट का प्रकाशन 28 अगस्त को किया जाएगा। नामांकन पत्र का दाखिला दो सितम्बर की सुबह 10.30 बजे से तीन सितम्बर दोपहर 2.30 बजे तक होगा।

नामांकन पत्रों की जांच चार सितम्बर सुबह 10.30 बजे से किया जाएगा। मतदान 11 सितम्बर की सुबह 10.30 बजे से होगा और उसी दिन परिणाम की घोषणा की जाएगी।

मंदिर निर्माण का 85 फीसदी काम पूरा, शिखर बनाने को जयपुर से आएंगे कारीगर

संवादददाता–अयोध्या। राम मंदिर निर्माण का 85 फीसदी काम पूरा हो चुका है। राम मंदिर निर्माण के दूसरे चरण में द्वितीय तल का निर्माण किया जा रहा है, शिखर का निर्माण वैसे तो शुरू हो चुका है लेकिन शिखर के मुख्य कार्य व नक्काशी आदि के लिए विशेष कारीगरों को बुलाया जा रहा है। राम मंदिर निर्माण की कार्यदायी संस्था एलएंडटी जयपुर व राजस्थान के 24 कारीगरों के संपर्क में है जो शिखर निर्माण के विशेषज्ञ कारीगर माने जाते हैं। माना जा रहा है कि सितंबर माह के पहले सप्ताह में ये कारीगर अयोध्या पहुंच जाएंगे। शिखर समेत राम मंदिर की कुल ऊंचाई 161 फीट होगी। राम मंदिर के प्रथम तल का काम पूरा हो चुका है जबकि दूसरे तल के स्तंभ भी 15 फीट की ऊंचाई तक पहुंच गए हैं। कुल 19.5 फीट की ऊंचाई दूसरे तल की होगी। इसी के साथ शिखर निर्माण की भी प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। शिखर निर्माण में राजस्थान के वंशी पहाड़पुर के 60 हजार घनफीट पत्थरों का इस्तेमाल किया जाना है। शिखर समेत मंदिर के निर्माण का काम पूरा करने का लक्ष्य दिसंबर 2024 तय किया गया है। वहीं दूसरे तल पर जाने के लिए सीढ़ी का निर्माण पूरा हो गया है। दूसरे तल पर मूर्ति स्थापित करने के लिए फाउंडेशन भी बनाया जा रहा है। ऐसे में यह अनुमान लगाया जा रहा है कि दूसरे तल पर भी मंदिर बनेगा। हालांकि ट्रस्ट ने इसकी पुष्टि नहीं की है। ट्रस्ट का कहना है कि दूसरे तल को खाली रखा जाएगा। यहां पर अनुष्ठान आदि किए जाएंगे।

रामजन्म भूमि परिसर में सप्त मंडपम का भी निर्माण कार्य चल रहा है। सप्त मंडपम में राम के समकालीन सात पात्रों के मंदिर बनाए जा रहे हैं। ऋषि वशिष्ठ, विश्वामित्र, अगस्त्य, वाल्मीकि समेत निषादराज, शबरी व अहिल्या के मंदिर यहां बनाए जाएंगे। इनके फाउंडेशन का काम पूरा हो चुका है। इन मंदिरों का निर्माण भी राम मंदिर की तर्ज पर नागर शैली में किया जा रहा है। सप्त मंडपम का निर्माण कार्य अब तक 30 फीसदी पूरा हो चुका है। सप्त मंडपम के निर्माण कार्य की समय सीमा पर दिसंबर 2024 तय की गई है।

30 वर्ष से विवादित मामले का समाधान, हटा अतिक्रमण

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। क्षेत्र के सिरसिया गांव में दलित बस्ती में नाला सफाई न होने से गंदा पानी भरा रहता था। इससे लोगों को समस्या हो रही थी। सिरसिया गांव के गंगाराम, पूरन, राजाराम, हरिराम, लक्ष्मीकांत, ओमप्रकाश आदि ने 17 अगस्त को समाधान दिवस में लिखित सूचना देते हुए बताया था कि कुछ लोगों के अतिक्रमण से नाली साफ न होने से बारिश व नल का पानी भरा रहता है। गुरुवार को ग्राम प्रधान शिवरतन अग्रहरि ने पुलिस बल की मौजूदगी में नाली साफ कराया। ग्राम प्रधान ने बताया कि पिछले 30 वर्ष से यह नाली अतिक्रमण की चपेट में थी। इसे पुलिस बल की मौजूदगी में हटवाया गया।

NAME CHANGE

I hitherto known as RAJ S/O FAGOO YADAV R/O 5 Jajupur Kukraha, Harraiya Basti, Uttar Pradesh-272127 have changed my name and shall hereafter be known as RAJ YADAV.

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी धर्मेन्द्र कुमार पुत्र श्री साहबराम ग्राम व पोस्ट– नगहरा जनपद बस्ती (उ.प्र.) का निवासी है। मेरी पुत्री पूर्णिमा चौधरी (PURNIMA CHAUDHARY) के नाम की स्पेलिंग आधार कार्ड में (PUMIMA) हो गया है जो गलत है। उसे पूर्णिमा चौधरी (PURNIMA CHAUDHARY) कराया जाय।

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**

संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेल bhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com